संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 152
पृष्ठ 8
बुधवार
19 फरवरी 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- अमरूद के पत्ते से बालों का...

विचार- हादसों का महाकुम्भ

खेल- कल से होगी चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत

यूपी विधानसभा बजट सत्र: सपा देश को कठमुल्लापन की ओर ले जाना चाहती है : सीएम योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष, विशेष रूप से समाजवादी पार्टी, पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सपा अपने बच्चों को इंग्लिश मीडियम स्कूलों में पढ़ाएगी और जब सरकार आम जनता के बच्चों को बेहतर सुविधाएं देने की बात करती है, तो ये लोग उर्दू थोपने की वकालत करने लगते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा देश को कठमुल्लापन की ओर ले जाना चाहती है, जो कतई स्वीकार्य नहीं होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश की स्थानीय बोलियों, भोजपुरी, अवधी, ब्रज और बुंदेलखंडी, को विधानसभा की कार्यवाही में स्थान देने के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इन बोलियों को हिंदी की उपभाषाएं मानते हुए सरकार इनके संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। सीएम योगी ने कहा कि हमारी सरकार इन भाषाओं के लिए अलग-अलग अकादमियों का गठन कर रही है, ताकि ये समृद्ध हों। ये हिंदी की बेटियां हैं और इन्हें उचित सम्मान मिलना चाहिए। यह सदन केवल विद्वानों के लिए नहीं है, बल्कि यहां समाज के हर वर्ग की आवाज को स्थान मिलना चाहिए, जो लोग भोजपुरी, अवधी, ब्रज और बुंदेलखंडी का विरोध कर रहे हैं, वे दरअसल उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत के विरोधी हैं। उन्होंने समाजवादी पार्टी को निशाने पर लेते हुए कहा कि इनका चरित्र ही दोहरा हो चुका है। ब्रजभाषा इतनी समृद्ध है कि संत सूरदास ने इसी भाषा में अपनी रचनाएं दीं। इसी तरह, संत तुलसीदास जी ने अवधी में रामचरितमानस की रचना की, जो न केवल उत्तर भारत बल्कि प्रवासी भारतीयों के लिए भी संकट काल में संबल बनी। उन्होंने कहा कि जो लोग आज भोजपुरी, अवधी और ब्रज भाषा का विरोध कर रहे हैं, वे भारत की सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं के विरोधी हैं। यह दुखद है कि जब इन भाषाओं को सम्मान दिया जा रहा है, तब कुछ लोग इसका विरोध कर रहे हैं। सीएम योगी ने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी का स्वभाव ही यह बन चुका है कि वे हर अच्छे कार्य का विरोध करेंगे। उन्होंने कहा कि आप लोग प्रदेश और देश के हित में किए जाने वाले हर सकारात्मक कदम का विरोध करते हैं। यह नहीं चलेगा। विधानसभा सचिवालय ने जब स्थानीय भाषाओं को मान्यता दी तो समाजवादी पार्टी ने इसका भी विरोध किया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सपा का यह दोहरा रवैया जनता को समझ में आ रहा है और उन्हें समाज के सामने एक्सपोज किया जाना चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि उनकी सरकार भोजपुरी, अवधी, ब्रज और बुंदेलखंडी को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। इन भाषाओं को सम्मान दिलाने के लिए भोजपुरी अकादमी, अवधी अकादमी और ब्रज अकादमी की स्थापना की जा रही है। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपनी मातृभाषाओं को सहेजें और उन्हें आगे बढ़ाएं। विपक्ष का यह विरोध बताता है कि वे न केवल विकास के विरोधी हैं, बल्कि हमारी संस्कृति के भी विरोधी हैं। ये लोग अपने बच्चों को इंग्लिश स्कूल में पढ़ाएंगे और दूसरे के बच्चे के लिए अगर वह सुविधा सरकार देना चाहती है तो कहते हैं कि नहीं, उर्दू पढ़ाओ इसको। ये बच्चों को मौलवी बनाना चाहते हैं। देश को कठमुल्लापन की तरफ ले जाना चाहते हैं, यह नहीं चल सकता है।

भारत-कतर के बीच मजबूत होंगे रिश्ते, कई समझौतों पर हुए हस्ताक्षर

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी के बीच मंगलवार को हैदराबाद हाउस में वार्ता हुई, जिसके बाद भारत और कतर ने अपने संबंधों को व्यापार, ऊर्जा, निवेश और नवाचार पर ध्यान केंद्रित करते हुए रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने का निर्णय लिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि दोनों देश के शीर्ष नेताओं के बीच व्यापक मुद्दों पर वार्ता हुई है। वार्ता में दोनों देशों के बीच आपसी गहरे और पारंपरिक संबंधों को और मजबूत करने पर जोर दिया गया। प्रवक्ता ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कतर के अमीर महामहिम शेख तमीम बिन हमद अल-थानी ने आज हैदराबाद हाउस में व्यापक चर्चा की। दोनों देशों के शीर्ष नेताओं ने व्यापार, ऊर्जा, निवेश, नवाचार, प्रौद्योगिकी, खाद्य सुरक्षा, संस्कृति और लोगों के बीच संबंधों पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत-कतर संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने का फैसला किया। उन्होंने आपसी हितों के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।" दोनों नेताओं के द्विपक्षीय वार्ता से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने कतर के अमीर का हैदराबाद हाउस में गर्मजोशी से स्वागत किया। श्री मोदी ने कतर के अमीर के आगमन पर प्रोटोकॉल तोड़ कर स्वयं हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया था। इससे पहले आज सुबह कतर के अमीर का राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत किया गया। श्री मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कतर के अमीर का राष्ट्रपति भवन में स्वागत किया, जहां उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। आज शाम को, कतर के अमीर और सुश्री मुर्मु की राष्ट्रपति भवन में बैठक होगी।

धर्मेंद्र प्रधान बोले, रोने वाले बच्चे की तरह बर्ताव कर रहे राहुल, नहीं टूटा कोई नियम

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सीईसी कि नियुक्ति पर आलोचना को लेकर राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह रोने वाले बच्चों की तरह काम कर रहे हैं, जबकि कोई नियम या कानून नहीं तोड़ा गया है। प्रधान ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, कांग्रेस ने अपने राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिए अपनी सुविधानुसार संविधान को कई बार कुचली। कांग्रेस ने बाबा साहब अंबेडकर का उपहास करने और उनका अपमान करने का कोई मौका नहीं छोड़ा, फिर भी कांग्रेस के युवराज बाबा साहब और हमारे संस्थापक नेताओं के आदर्शों को कायम रखने का दुस्साहस कर रहे हैं। प्रधान ने कहा, राहुल का यह ताजा तमाशा सीईसी की नियुक्ति पर विवाद पैदा करने और दुष्प्रचार का एक और प्रयास है। उन्होंने पूछा कि क्या राहुल गांधी भूल गए हैं कि कांग्रेस के शासन के दौरान चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति कैसे की जाती थी?

भगदड़ के विरोध में युवा कांग्रेस का प्रदर्शन, मांगा रेल मंत्री का इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी। युवा कांग्रेस ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में कई लोगों के मारे जाने पर गहरा रोष व्यक्त करते हुए इस घटना के लिए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को जिम्मेदार बताते हुए मंगलवार को यहां प्रदर्शन किया और श्री वैष्णव से तत्काल इस्तीफा देने की मांग की। युवा कांग्रेस के प्रवक्ता वरुण पांडे ने यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रदर्शनकारी युवाओं ने जबरन रेल मंत्रालय की तरफ जाने का प्रयास किया, लेकिन भारी पुलिस बंदोबस्त के कारण उन्हें आगे नहीं बढ़ने दिया गया। प्रदर्शनकारियों ने रेल मंत्री का पुतला फूंका और उनसे इस्तीफा मांगा। इस दौरान प्रदर्शनकारी हाथों में बैनर और तख्तियां लिए हुए थे, जिन पर मरने वालों के आंकड़े नहीं छुपाने, भगदड़ नहीं नरसंहार जैसे नारे लिखे हुए थे। श्री पांडे के अनुसार इस दौरान युवा कांग्रेस अध्यक्ष उदय भानु चिब ने प्रदर्शनकारी युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह भगदड़ या हादसा नहीं बल्कि नरसंहार है। रेल मंत्री अपने कर्तव्य का निर्वाह करने में विफल रहे हैं इसलिए उन्हें तत्काल इस्तीफा देना चाहिए। श्री चिब ने कहा, "वहां का मंजर दिल दहलाने वाला था, रेलवे प्रशासन की नाकामी के कारण आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक दम घुटने से 18 लोगों की मौत हो गई, जिसमें नौ महिलाएं, चार पुरुष और पांच बच्चे शामिल हैं। श्रद्धालुओं के इस नरसंहार का जिम्मेदार कौन है। इतना बड़ा हादसा हो जाने के बाद भी नैरेटिव बनाया गया कि सब कुछ नियंत्रण में है।

मोदी सरकार ने अर्थव्यवस्था को कर दिया बर्बाद : खरगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी सरकार की नीतियों को देश के आर्थिक विकास के दिए दिशाहीन तथा नीतिहीन करार देते हुए कहा है कि इससे देश की अर्थव्यवस्था चौपट हो गई है और देशवासियों का जीवन बर्बाद हो रहा है। श्री खरगे ने कहा "इससे अधिक विडंबनापूर्ण कुछ नहीं हो सकता कि मोदी सरकार के वित्त मंत्री यह कहें कि हमारी अर्थव्यवस्था श्अच्छा रिटर्नश दे रही है। इस साल अब तक भारतीय शेयर बाजारों से 45 लाख करोड़ रुपए का सफाया हो चुका है। निफ्टी 50 कंपनियों ने 5 वर्षों में सबसे खराब तिमाही लाभ वृद्धि दिखाई है। अक्टूबर से विदेशी निवेशकों ने 1.56 लाख करोड़ रुपये से अधिक के शेयर बेचे हैं जिसमें 2025 में लगभग एक लाख लाख करोड़ भी शामिल है जिसके कारण छोटे और मध्यम निवेशकों की संपत्ति खत्म हो गई है।"

संगम पर भक्ति का अनंत प्रवाह, महाकुंभ में अब तक 55 करोड़ श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

महाकुंभ नगर (प्रयागराज)। महाकुंभ में स्नानार्थियों की संख्या मंगलवार को 55 करोड़ के पार हो गई। संगम की ओर श्रद्धालुओं की भीड़ लगातार बढ़ती जा रही है। हर–हर महादेव और जय गंगा मइया के उद्घोष के बीच श्रद्धालु त्रिवेणी के अमृतमयी जल में डुबकी लगा रहे हैं।

महाकुंभ में अमृत स्नान के लिए आस्था का भक्ति का प्रवाह लगातार तेज होता जा रहा है। सोमवार की देर शाम संगम पर फिर लाखों श्रद्धालु पहुंच गए। दिन रात रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों पर आस्थावानों का तांता लगा रहा। संगम जाने वाली सड़कों पर हर तरफ जन ज्वार नजर आने लगा। मंगलवार दोपहर 12 बजे तक करीब 70 लाख श्रद्धालुओं के संगम में डुबकी लगाने का दावा मेला प्रशासन ने किया है।

इस तरह माने तो अब तक त्रिवेणी में स्नान करने वालों की संख्या 55 करोड़ के पार हो चुकी है। मेला अभी आठ दिन शेष है। माना जा रहा है कि यह संख्या 60 करोड़ तक या उसके पास भी पहुंच सकती है।मंगलवार को संगम जाने वाले सभी रास्ते श्रद्धालुओं की भीड़ से खचाखच भर गए। अमृतमयी त्रिवेणी में पुण्य की डुबकी के लिए एक लय में भोर से ही भक्ति की लहरें हिचकोले खाती रहीं। मेला प्रशासन ने दोपहर 12 बजे तक करीब 70 लाख श्रद्धालुओं के डुबकी लगाने का दावा किया। अब तक के महाकुंभ में कुल 55 करोड़ श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा चुके हैं।

प्रयागराज जंक्शन के सभी 10 प्लेटफार्मों पर तिल रखने की जगह नहीं बची है। घंटे–घंटे भर के लिए इस रेलवे स्टेशन पर यात्रियों का प्रवेश रोका जा रहा है। सभी रूटों को वन वे करना दिया गया है। दावा, नैनी और फाफामऊ के अलावा कोखराज के रूट पर तीन चरणों में बैरिकेडिंग कर भीड़ को नियंत्रित किया जा रहा है। मेला प्रशासन की ओर से घाटों पर भीड़ न लगाने की लगातार अपील की जा रही है।

संगम के घाटों पर हर तरफ स्नानार्थी ही नजर आ रहे हैं। सिर पर गठरी और कंधे पर झोला–बोरा लिए लोग संगम की ओर बढ़ते रहे। रास्ते भर जय गंगा मैया, हर–हर महादेव और जय श्रीराम के गगनभेदी जयघोष के बीच डुबकी लग रही है। भीड़ प्रबंधन के लिए पुलिस और प्रशासन के अफसर अतिरिक्त सजगता बरत रहे हैं। आस्था – भक्ति की लहरों के बीच संगम से शहर तक कहीं तिल रखने की जगह नहीं बची। सड़कें पैक हुईं तो संगम की राह पकड़ने के लिए लोगों ने गलियों का रुख कर लिया।

कुंभ के दौरान उमड़ने वाली करोड़ों श्रद्धालुओं की भीड़ से निपटने के लिए नासिक–त्रंबकेश्वर प्रशासन ने अभी से तैयारियां शुरू कर दीं। कुंभ के दौरान पेश आने वाली चुनौतियों से निपटने के तौर–तरीके समझने के लिए बीस अफसरों की टीम मंगलवार को प्रयागराज पहुंचेगी। यहां दो दिन ठहरकर अफसरों की यह टीम कुंभ मेले से जुड़ी आयोजन की बारीकियों को समझेंगे।

नासिक के डिविजनल कमिश्नर प्रवीण गेदाम की अगुवाई में दल यहां आकर कुंभ आयोजन का अध्ययन करेगा। बता दें, वर्ष 2027 में गोदावरी के तट पर नासिक–त्रंबकेश्वर में कुंभ का आयोजन होगा। डिविजनल कमिश्नर प्रवीण गेदाम ने अमर उजाला को बताया कि प्रयागराज के मुकाबले नासिक एवं त्रंबकेश्वर में स्थान काफी कम है। खास तौर से त्रंबकेश्वर में अधिक स्थान नहीं है। ऐसे में भीड़ से निपटना सबसे बड़ी चुनौती है।

उनकी टीम खास तौर से भीड़ प्रबंधन समझेगी। इसके साथ ही बसावट संबंधी अन्य पहलुओं का भी अध्ययन करेंगे। टीम में नासिक नगर निगम, स्मार्ट सिटी मिशन, जल निगम, परिवहन निगम समेत पुलिस प्रशासन से जुड़े अफसर भी शामिल हैं। डिविजनल कमिश्नर के मुताबिक दो दिन तक उनकी टीम यहां रहकर सभी पहलुओं का अध्ययन करेगी।

सीआरपीएफ के जवान 24 घंटे घाटों, मेला परिसर और प्रमुख मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था संभाल रहे हैं। आधुनिक तकनीक और सतर्क निगाहों से किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी की गई है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच सीआरपीएफ के जवान मार्गदर्शन और सहायता कर रहे हैं। उनका सौम्य व्यवहार और तत्परता श्रद्धालुओं को सहज अनुभव प्रदान कर रहा है।

महाकुंभ भविष्य के आयोजनों के लिए दुनिया भर के लिए स्वच्छता मॉडल बनकर उभरा है। महाकुंभ में अब तक 55 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आ चुके हैं, जिनकी सुविधा के लिए डेढ़ लाख से अधिक टॉयलेट्स स्थापित किए गए हैं लेकिन अपशिष्ट जल को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करते हुए नदी में जीरो डिस्चार्ज सुनिश्चित किया गया है।

महाकुंभ की विशेष कार्याधिकारी अकांक्षा राणा ने बताया कि 55 करोड़ से अधिक तीर्थयात्रियों की भारी आमद के बावजूद कूड़ा–कचरा मुक्त, प्लास्टिक मुक्त और स्वच्छ कुंभ के विजन को सफलतापूर्वक लागू किया गया है। मेला क्षेत्र में 1.5 लाख से अधिक शौचालय स्थापित किए गए, जिनमें सोक–पिट, एफआरपी और मोबाइल यूनिट शामिल हैं।

क्यूआर कोड–आधारित निगरानी प्रणाली ने वास्तविक समय में रखरखाव सुनिश्चित किया, जबकि जेट स्प्रे सफाई तकनीक और पर्यावरण के अनुकूल रासायनिक समाधानों ने सुविधाओं को स्वच्छ और गंध मुक्त रखने में मदद मिली। प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले कचरे को संभालने के लिए अधिकारियों ने एक मजबूत कचरा प्रबंधन प्रणाली स्थापित की, जिसके तहत बसवार प्लांट में प्रतिदिन 650 मीट्रिक टन (एमटी) कचरा संसाधित किया जा रहा है।

कचरा संग्रह के लिए 120 हॉपर टिपर ट्रक और 40 कॉम्पैक्टर लगाए गए हैं। तरल कचरे के प्रबंधन के लिए 94 सक्शन मशीनें लगाई गई हैं जबकि मेला मैदान में 25,000 डस्टबिन रखे गए हैं। कचरे के कुशल निपटान के लिए 37 लाख कचरा लाइनर बैग का उपयोग किया गया। इस आयोजन में नदी प्रदूषण को रोकने के लिए तीन अस्थायी और तीन स्थायी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण भी किया गया।

झूंसी पुलिस बूथ और जीटी रोड पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, रास्ते जाम

प्रयागराज। महाकुम्भ मेले के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ झूंसी क्षेत्र में उमड़ पड़ी, जिससे जीटी रोड, झूंसी पुलिस बूथ और रेलवे स्टेशन के आसपास के मार्गों पर जाम की स्थिति बन गई। सोमवार सुबह से ही श्रद्धालुओं का सैलाब झूंसी रेलवे स्टेशन से मेले की ओर बढ़ने लगा। प्रशासन की ओर मार्ग व्यवस्थित करने के प्रयासों के बावजूद कालोनियों के रास्तों और पार्कों में भक्तों की भीड़ ठहर गई। सड़क किनारे ग्रीनरी वाले क्षेत्रों में भी श्रद्धालु बड़ी संख्या में जमा हो गए, जिससे स्थानीय निवासियों को भी आवाजाही में कठिनाई हुई। मौके पर तैनात पुलिसकर्मी भीड़ को नियंत्रित करने में जुटे रहे, लेकिन भारी संख्या में श्रद्धालु होने के कारण कई मार्गों पर आवागमन प्रभावित रहा।

विक्रमोवर्षीयम नाटक के मंचन पर मंत्र मुग्ध हुए दर्शक

प्रयागराज। महाकुम्भ में कोलाज कल्चरल सोसायटी ने महाकवि कालिदास रचित विक्रमोवर्षीयम नामक नाटक का मंचन किया गया। महाकुम्भ क्षेत्र से बहुत से श्रद्धालु, दर्शकों ने नाटक का मंचन देखा। इस नाटक का डिजाइन और डायरेक्शन प्रोफेसर विधु खरे दास ने किया है स प्रो. विधु खरे दास लगभग तीस वर्षों से रंगमंच और नाटक का कार्य कर रही हैं। डॉ. राघवेन्द्र मिश्र इस नाटक में असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में कार्य किए हैं पोस्टर डिजाइन विवेक ने किया है। इस नाटक में म्यूजिक अनिमेष दास ने दिया है।

स्वच्छ महाकुम्भ के लिए लगाई गई 350 सक्शन मशीनें

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ को स्वच्छ बनाने के लिए 350 सक्शन मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके साथ कचरा संग्रह के लिए 120 हॉपर टिपर ट्रक और 40 कॉम्पैक्टर लगाए गए हैं। तरल कचरे के प्रबंधन के लिए 94 सक्शन मशीनें लगाई गई हैं। जबकि मेला मैदान में 25,000 डस्टबिन रखे गए हैं। जीरो डिस्चार्ज से महाकुम्भ में स्वच्छता के मामले में ग्लोबल सैनिटेशन बेंचमार्क स्थापित करने पर महाकुम्भ की विशेष कार्याधिकारी अकांक्षा राना ने बताया कि पीएम मोदी व सीएम योगी ने स्वच्छ महाकुम्भ का जो लक्ष्य रखा था। महाकुम्भ में 52 करोड़ से अधिक तीर्थयात्रियों की भारी आमद के बावजूद कूड़ा–कचरा मुक्त, प्लास्टिक मुक्त और स्वच्छ कुम्भ के विजन को सफलतापूर्वक लागू किया गया है। महाकुम्भ–2025 भविष्य में बड़े पैमाने पर धार्मिक आयोजनों के लिए स्वच्छता के मॉडल में परिवर्तित हो गया है। मेला क्षेत्र में 1.5 लाख से अधिक शौचालय स्थापित किए गए, जिनमें सोक–पिट, एफआरपी और मोबाइल यूनिट शामिल हैं। क्यूआर कोड–आधारित निगरानी प्रणाली से वास्तविक समय में रखरखाव सुनिश्चित किया गया, जबकि जेट स्प्रे सफाई तकनीक और पर्यावरण के अनुकूल रासायनिक समाधानों से सुविधाओं को स्वच्छ और गंध मुक्त रखने में मदद मिली।

विद्यार्थियों को अब हर सेमेस्टर की सूचना अपडेट करनी होगी

प्रयागराज। प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) राज्य विश्वविद्यालय एवं संबद्ध कॉलेजों के छात्र–छात्राओं को अब हर सेमेस्टर की सूचना अनिवार्य रूप से समर्थ पोर्टल के लॉग–इन आईडी पर अपडेट करनी होगी। अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों का समर्थ पोर्टल पर लॉग–इन आईडी बनवाई गई है। यह बदलाव विद्यार्थियों को अपनी शैक्षिक प्रगति को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने में मदद करेगा। विद्यार्थियों को पोर्टल पर बताना होगा कि किस सेमेस्टर के कौन से पेपर में उनका बैक है। उन्हें किस सेमेस्टर में कितने सीजीपीए मिले हैं अथवा जो सेमेस्टर पूरे हो चुके हैं उन्हें कितने क्रेडिट मिले हैं समेत आदि जानकारियों को अपडेट करना होगा।

संगम पहुंचने की खुशी दर्द को कर दे रही है कम

प्रयागराज। महाकुम्भ के पांच प्रमुख स्नान पर्व और माघ मास बीत जाने के बाद भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पुण्य की लालसा लिए संगम पहुंच रहे हैं। सोमवार को श्रद्धालु सफर की सारी बाधाएं पार कर प्रयागराज पहुंचे। कई किलोमीटर पैदल चले फिर भी उत्साह में कोई कमी नहीं रही। संगम स्नान को पहुंचे कुछ श्रद्धालुओं को भीड़ के चलते परेशानियों का सामना भी करना पड़ा।

राजस्थान के नागौर से मालूराम पारीक (58) बेटी दामाद के साथ संगम में डुबकी लगाने आए थे। सुबह 6 बजे से पैदल चल कर थक चुके थे। सरदार पटेल चिकित्सालय से बालसन तक पहुंचने में साइकिल रिक्शा और बाइक का सहारा लिया। मालूराम ने बताया कि यहां तक पहुंचने में एक–एक लोग 500 रुपये खर्च करना पड़ा। बताया कि दामाद स्नान के बाद बेहोश हो गए, जिसके बाद आनन–फानन में बिना कपड़े पहनाए ही अस्पताल ले जाया गया। इस कारण बेटी ने स्नान भी नहीं किया।

फतेहपुर नामामऊ की सीता (70) संगम स्नान कर वापस लौट रही थीं। पैर में दिक्कत होने से जगह–जगह बैठ कर सुस्ताती और फिर

चलने लगतीं। सीता ने बताया कि संगम में स्नान करने का पर्व शिवरात्रि तक है। गांव से कई लोग आ रहे थे, तो मैं भी साथ चली आईं। पता नहीं अगली बार आ पाती की नहीं। सीता ने बताया कि पैदल चलने में बहुत कठिनाई हो रही है। पैसा देने पर भी कोई साधन नहीं मिल रहा है।

दिल्ली के संजय (50) रील देख कर संगम स्नान को पहुंचे। यहां आकर श्रद्धालुओं का रेला देखा तो हैरान रह गए। संजय ने बताया कि 30 जनवरी को संगम स्नान कर वापस चला गया था। मोबाइल में रील देखा तो घाट खाली दिखाया जा रहा था। दोबारा संगम स्नान करने चला आया। बताया कि शहर के होटलों में जगह नहीं है। साधन की बहुत परेशानी है, ई–रिक्शा वाले पैसा भी अधिक मांग रहे है। अयोध्या जाकर रामलला का दर्शन करने का प्लान था, लेकिन भीड़ की वजह से वापस दिल्ली निकल जाएंगे।

मधुवनी बिहार के नागेश्वर सिंह (60) 10 लोगों के साथ गाड़ी बुक कर संगम स्नान करने पहुंचे थे। नागेश्वर ने बताया कि माघी पूर्णिमा पर भीड़ के कारण नहीं आ सके। अब आए हैं तो भी भीड़ है। रविवार को भीड़ नियंत्रित करने के लिए किए गए रूट डायवर्जन से बहुत परेशानियां हुई। लेकिन अब संगम स्नान करके बहुत अच्छा लग रहा है।

पटना बिहार के अरविंद शर्मा (63) दुर्लभ संयोग में लगे महाकुम्भ में पुण्य कमाने की अभिलाषा को लेकर संगम पहुंचे। अरविंद ने बताया कि प्रयागराज जंक्शन पर ट्रेन से रात पहुंचे। पूरी रात धीरे–धीरे पैदल चलते रहे। थकान मिटाने के लिए सड़क किनारे बैठ जाते। सुबह 5 बजे संगम पहुंच कर स्नान किया, तो बहुत अच्छा लगा। बड़े हनुमान जी के भी दर्शन हो गए। बताया कि साधन नहीं मिलने से बहुत परेशानियां हो रही है। बाइक वाले चुंगी से स्टेशन तक का 500 रुपये मांग रहे हैं।

खड़ी ट्रेलर में पीछे से भिड़ी श्रद्धालुओं से भरी बस, दो की मौके पर मौत, 18 घायल

प्रयागराज। उतरांव थाना क्षेत्र के गौहरपुर नेशनल हाईवे प्रयागराज ढाबा के पास श्रद्धालुओं से भरी बस ट्रेलर में भिड़ गई। वही मौके पर दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई तथा 18 गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस व स्थानीय लोगों ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया। घटना सोमवार को देर रात हुई। रोहतास बिहार से श्रद्धालुओं की बस भरी बस महाकुंभ स्नान के लिए जा रही थी। बस में 35 श्रद्धालु थे। वहीं देर रात 12 बजे के करीब उतरांव थाना क्षेत्र के गौहरपुर प्रयाग ढाबा के पास पहुंचा था कि हाईवे पर साइड में खराब ट्रेलर खड़ी हुई थी। वहीं बस के आगे एक ट्रेलर चल रही थी अचानक ब्रेक लगाने से श्रद्धालुओं से भरी बस ट्रेलर में पीछे से भीड़ गई। बस में बैठे राम सरोज चौधरी पुत्र जागेश्वर चौधरी (80) व बैजनाथ पासवान पुत्र कमलनाथ (70) दारानगर थाना नौहाटा जिला रोहतास बिहार की मौके पर मौत हो गई। बस में बैठे चंद्र देव पासवान (70), निरंजन शर्मा (35), लालती देवी (65), बैजनाथ (40), केदार प्रसाद (48), सोना देवी (65), शोभा देवी (35),अजीत कुमार चौधरी (28), माधुरी देवी (60), रेखा (50), रवि कुमार (18), शान पत्ती (65), रीटा देवी (60), मोना कुमारी (50), विक्रमा (65), गन्नी देवी (60), मनी कुमार (50) वर्ष निवासी दारानगर थाना नौहाटा जिला रोहतास बिहार के थे। कुल 18 श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। बस में पूरे 35 श्रद्धालु थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया। घायलों को इलाज के लिए एंबुलेंस के माध्यम से अस्पताल भिजवाया, जहां कुछ की हालत नाजुक बताई जा रही है। अंधेरे का फायदा उठाकर बस चालक मौके से फरार हो गया।

100 से अधिक विमान, किराया छू रहा आसमान, बंगलूरू का पहुंचा 39 हजार के पार

प्रयागराज। दो दिन से प्रयागराज एयरपोर्ट से संचालित होने वाले विमानों की संख्या 100 को पार कर चुकी है। फिर भी अधिकांश शहरों की सीधी उड़ान का किराया आसमान छू रहा है। सबसे ज्यादा किराया यहां से बंगलूरू का लग रहा है। 18 फरवरी के लिए एक निजी कंपनी का विमान प्रति व्यक्ति बंगलूरू का किराया 39146 रुपये ले रहा है। महाकुंभ के मौके पर प्रयागराज एयरपोर्ट पर लगातार यात्रियों और विमानों की संख्या बढ़ती जा रही है। इस माह अब तक कई बार यात्रियों व विमानों के आवागमन के रिकॉर्ड टूट चुके हैं। दिल्ली के लिए एक दिन में औसतन 10 विमान यहां से उड़ रहे हैं, फिर भी किराया आसमान छू रहा है। महाकुंभ अवधि में यहां से किसी भी दिन दिल्ली का किराया 13 हजार रुपये से कम नहीं है। कुछ तिथियों में किराया 20 हजार से भी ज्यादा पहुंच गया है। दो दिन से प्रयागराज एयरपोर्ट से संचालित होने वाले विमानों की संख्या 100 को पार कर चुकी है। फिर भी अधिकांश शहरों की सीधी उड़ान का किराया आसमान छू रहा है। ज्यादा किराया के बावजूद आसानी से सीट नहीं मिल पा रही है। सबसे ज्यादा किराया यहां से बंगलूरू का लग रहा है। 18 फरवरी के लिए एक निजी कंपनी का विमान प्रति व्यक्ति बंगलूरू का किराया 39146 रुपये ले रहा है। महाकुंभ अवधि में बंगलूरू का किराया किसी भी दिन 22 हजार से कम नहीं है। कमोवेश यही स्थिति मुंबई की है। मुंबई के लिए 18 फरवरी को प्रयागराज से मुंबई के लिए सात सीधी उड़ान है।

इन विमानों का न्यूनतम किराया सोमवार को 21974 रुपये दर्शाया जा रहा था। पुणे के लिए भी संचालित एक मात्र सीधी उड़ान का किराया 20 हजार से कम नहीं है। यही स्थिति हैदराबाद, कोलकाता, भुवनेश्वर जाने वाली फ्लाइट की भी है। इन सभी शहरों के लिए विमानन कंपनियां मुंह मांगा किराया ले रही हैं। खास बात यह है कि स्पाइस जेट, एयर इंडिया समेत आदि विमानन कंपनियों ने यहां अपने अधिकांश विमान 28 फरवरी तक ही चलाने का शेड्यूल जारी किया है। इसके बाद इन कंपनियों के विमान यहां से संचालित नहीं होंगे।

हाईकोर्ट ने कहा: बीएसए जालौन पर पद पर रहने के योग्य नहीं, उनके खिलाफ क्यों न की जाए अवमानना की कार्रवाई

प्रयागराज। न्यायालय ने कहा कि प्रथम दृष्टया बीएसए पद पर बने रहने के योग्य नहीं हैं। न्यायालय ने उन्हें 27 फरवरी 2025 को तलब करते हुए स्पष्टीकरण मांगा कि क्यों ने अवमानना कार्रवाई की जाए एवं क्यों न राज्य सरकार को विभागीय कार्रवाई के लिए भेजा जाए। यह आदेश न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया की पीठ ने आस्था मिश्रा की याचिका पर दिया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बेसिक शिक्षा अधिकारी जालौन के कोर्ट के आदेशों पर अलग–अलग कारण बताकर अनुकंपा नियुक्ति आवेदन को खारिज करने पर नाराजगी जताई। न्यायालय ने कहा कि प्रथम दृष्टया बीएसए पद पर बने रहने के योग्य नहीं हैं। न्यायालय ने उन्हें 27 फरवरी 2025 को तलब करते हुए स्पष्टीकरण मांगा कि क्यों ने अवमानना कार्रवाई की जाए एवं क्यों न राज्य सरकार को विभागीय कार्रवाई के लिए भेजा जाए। यह आदेश न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया की पीठ ने आस्था मिश्रा की याचिका पर दिया।

जालौन निवासी याची की माता–पिता सरकारी सेवा में थे। पिता 2019 में सेवानिवृत्त हो गए। वहीं प्राथमिक विद्यालय में सहायक अध्यापक के पद कार्यरत मां की 2021 में मृत्यु हो गई। याची ने मां की मृत्यु के बाद अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया था, जिसे बीएसए ने माता–पिता के सेवा में होने के आधार पर खारिज कर दिया। इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई। कोर्ट के जवाब मांगने पर बीएसए ने हलफनामा देकर कहा कि याची की शैक्षिक योग्यता बीएड है। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के आधार पर बीएड डिग्री धारक को सहायक अध्यापक नहीं बनाया जा सकता।

याची के अधिवक्ता कमल कुमार केशरवानी ने दलील दी कि याची का मामला 2021 का है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का फैसला इस मामले में लागू नहीं होगा। साथ यह भी दलील दी कि बीएसए ने हाईकोर्ट के आदेशों पर अलग–अलग आधार लेते हुए नियुक्ति देने से इन्कार किया है। पहली बार विवाहित होने व दूसरी और तीसरी बार माता पिता के सेवा में होने के आधार नियुक्ति देने से इंकार कर दिया। जबकि शपथपत्र में बीएसए ने यह आधार लिया कि वर्तमान में बीएड डिग्री धारक को सहायक अध्यापक नहीं बनाया जा सकता है। न्यायालय ने बार–बार अलग–अलग आधार पर अनुकंपा नियुक्ति के आवेदन को खारिज करने पर नाराजगी जताते हुए बीएसए को 27 फरवरी 2025 को तलब कर लिया है।

सड़क हादसों में पिता–पुत्र समेत चार की मौत, 22 घायल, थरवई और उतरांव में हाईवे पर हुआ हादसा

प्रयागराज। महाकुंभ में स्नान करने आ रहे और डुबकी लगाकर जा रहे श्रद्धालु हादसे का शिकार हो गए। थरवई में कार सवार पिता पुत्र की जहां मौत हो गई, वहीं उतरांव हाईवे पर हुए हादसे में बस में सवार दो वृद्ध श्रद्धालुओं की जान चली गई। करीब 22 लोग घायल हुए हैं। थरवई थाना क्षेत्र के हंडिया–कोखराज हाईवे पर सोमवार को हुए सड़क हादसे में पिता–पुत्र की मौत हो गई। कार में सवार अन्य लोग घायल हो गए। एक अन्य हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि सरायइनायत में हुई सड़क दुर्घटना में कार सवार चार लोगों को गंभीर चोटे आईं हैं। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घायलों का उपचार अस्पताल में चल रहा है। कटिहार (बिहार) के बावनगंज के रहने वाले मनोज कुमार गुप्ता (58) पत्नी रूबी और बेटे राजा गुप्ता (30) के साथ कार तीर्थयात्रा पर निकले थे। राज दिल्ली में नौकरी करता था। वह माता–पिता को अपनी कार से प्रयागराज संगम लेकर गया था। यहां त्रिवेणी में डुबकी लगाने के बाद सभी लोग रामलला का दर्शन करने के लिए अयोध्या चले गए।

मंत्री नंदी की पहल पर 114 मरीजों को दी गई 2.35 करोड़ की आर्थिक मदद

प्रयागराज। औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी ने नवम्बर, दिसम्बर और जनवरी महीने में अपने क्षेत्र के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों के 114 लोगों को गम्भीर बीमारियों के इलाज कराने के लिए दो करोड़ 35 लाख पांच हजार 900 रूपए की आर्थिक सहायता मुख्यमंत्री राहत कोष से उपलब्ध कराई है।

लायंस ओलंपियाड केवल परीक्षा नहीं, बल्कि प्रतिभा निखारने का मंचः अरविंद संगल

मुजफ्फरनगर। सष्लायंस ओलंपियाड केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि एक ऐसा मंच है जो विद्यार्थियों को अपनी शैक्षणिक क्षमताओं को निखारने और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान करता है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों में तार्किक और विश्लेषणात्मक क्षमता का विकास होता है, जो उनके भविष्य के लिए अत्यंत लाभदायक है।ष ये बातें लायंस ओलंपियाड के मल्टीपल चेयरमैन लायन अरविंद संगल ने सेंट आर.सी. कान्वेंट स्कूल में आयोजित लायंस ओलंपियाड के प्रथम चरण के परिणामों के अवसर पर पुरस्कार वितरण समारोह में कहीं और बच्चों को सम्मानित करते हुए कहा कि ष्इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ बच्चों के बौद्धिक विकास में सहायक होती हैं और इससे विद्यार्थियों का आत्मविश्वास भी बढ़ता है।ष

इस अवसर विद्यालय की प्रधानाचार्य उजमा जैदी ने समारोह में विज्ञान, गणित और

अंग्रेजी विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी और उन्हें आगे की परीक्षाओं के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया, उन्होंने लायंस ओलंपियाड के आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों का हिस्सा बनने की इच्छा जताई।

इस ओलंपियाड में विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कक्षा 7 से अतिक्ष राणा ने ओलंपियाड परीक्षा में अपने ज्ञान का उजाला फैलाते हुए विज्ञान गणित और अंग्रेजी तीनों परीक्षा में गोल्ड मेडल हासिल कर स्टूडेंट ऑफ द स्कूल का खिताब अपने नाम किया वही कक्षा 8 से रूही सिंह ने अंग्रेजी और गणित में एवं कक्षा से आरव चौधरी ने मैथ और साइंस में बाजी मारते हुए दोनों ने दोनों सब्जेक्ट में सर्वोत्तम विद्यार्थी के रूप में गोल्ड मेडल प्राप्त किये। इसी प्रकार क्रमशरू अंग्रेजी विषय में कक्षा 7 से दक्ष देशवाल ने सिल्वर और अर्णव चौधरी ने ब्रॉन्ज मेडल जीता, जबकि कक्षा 8 दिव्या गर्ग को सिल्वर और अपेक्षा को ब्रॉन्ज प्राप्त हुआ। विज्ञान में कक्षा 5 से आर्य मलिक ने गोल्ड, अक्षांश नारायण ने सिल्वर और अभिमन्यु बालियान ने ब्रॉन्ज जीता। कक्षा 6 में कृष्णा देशवाल ने सिल्वर और नक्श कुमार ने ब्रॉन्ज हासिल किया। कक्षा 7 में आतिश राणा को गोल्ड, दिव्या सिंह को सिल्वर और अर्णव चौधरी को ब्रॉन्ज मिला। कक्षा 8 में विधाता सिंह ने गोल्ड, कनक देशवाल ने सिल्वर और अनाया ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। कक्षा 9 में तैय्यबा जैदी ने गोल्ड, धैर्य मित्तल ने सिल्वर और अथर्व शिव ने ब्रॉन्ज जीता।

गणित विषय में भी विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया। कक्षा 5 में अंश मित्तल को गोल्ड, अभिमन्यु बालियान और विहान वर्मा को सिल्वर तथा आह्वान को ब्रॉन्ज मेडल मिला। कक्षा 6 में आरव चौधरी ने गोल्ड, तन्वी गौतम ने सिल्वर और प्रियंका चौधरी ने ब्रॉन्ज जीता। कक्षा 7 में दक्ष अहलावत ने सिल्वर और दक्ष देशवाल ने ब्रॉन्ज हासिल किया। कक्षा 8 में लव कांत को सिल्वर और अनमोल विश्वकर्मा को ब्रॉन्ज मेडल मिला। कक्षा 9 में मन बालियान ने गोल्ड, अथर्व शिव ने सिल्वर और अनंत कुमार ने ब्रॉन्ज जीता। कार्यक्रम में विद्यालय के अरविंद चौधरी, मनीष मित्तल, अनुपम मित्तल, अजय गोयल, अभिषेक वर्मा, रवि हुड्डा शिक्षकगण एवं लायंस क्लब के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे। सभी ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना की और इस तरह की प्रतियोगिताओं को ज्ञानवर्धन का बेहतरीन माध्यम बताया।

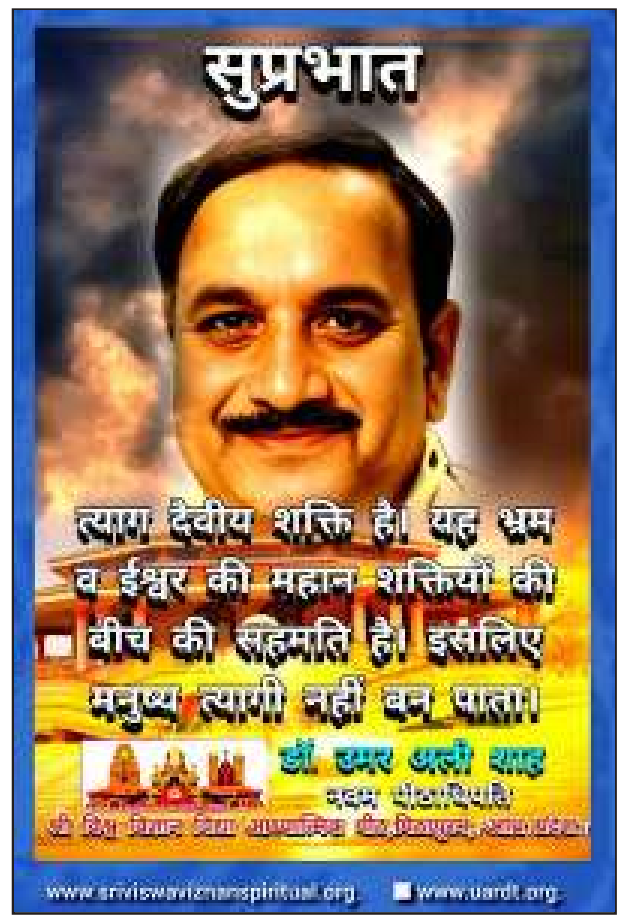

फार्मर रजिस्ट्री आईडी बनवाने हेतु एसडीएम ने किसानों को किया जागरूक

जानसठ। फार्मर रजिस्ट्री आईडी बनवाने के लिए तहसील क्षेत्र के गांव जंधेडी में एसडीएम जानसठ सुबोध कुमार ने राजस्व टीम के साथ गांव में पैदल घूमकर किसानों को फार्मर रजिस्ट्री

आईडी बनवाने के लिए जागरूक किया और कहा कि किसानों की अगर फार्मर रजिस्ट्री आईडी नहीं बनेगी तो किसानों को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ नहीं मिलेगा किसानो को फार्मर रजिस्ट्री आईडी के लिए 28 फरवरी 2025 अंतिम तिथि नियुक्त हैं एसडीएम सुबोध कुमार ने क्षेत्र के किसानों से अपील करते हुए कहा कि सभी किसान जन सेवा केंद्रों पर पहुंचकर अपनी फार्मर आईडी बनवाएं और सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाएं।

नहर झाल पर बहता मिला युवक का शव, शिनाख्त मे जुटी पुलिस

भोपा सनिरगाजनी गंग नहर झाल पर युवक का शव बहता देख ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस

ने शव को नहर से बाहर निकाल कर हुलिया दर्ज किया व पंचनामा कर शव को पोस्ट मार्टम के मोर्चरी भिजवाया।पुलिस ने शव की शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिये हैं। भोपा थाना क्षेत्र के निरगाजनी गंग नहर झाल पर मंगलवार की सुबह ग्रामीणों ने बीच वाली नहर मे एक शव को बहते देखा तो पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे निरगाजनी झाल चौकी पर तैनात उपनिरीक्षक देवपाल सिंह ने शव को नहर से बाहर निकलवा कर हुलिया दर्ज किया। प्रत्यक्षदर्शियो ने बताया की शव किसी नवयुवक का प्रतीत होता है। जो साधारण गर्म कपड़े पहने था ।शरीर पर कोई घाव आदि नहीं था।पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया व अज्ञात शव की शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिये हैं। वहीं नवयुवक का शव मिलने से क्षेत्र मे सनसनी व्याप्त है।

शिव मंदिर की मुर्तियां खंडित होने से ग्रामीणों में भड़का रोष

मोरना सगांव जडवड में शरारती तत्वों ने शिव मंदिर मे घुसकर वहां रखी मुर्तियों को खंडित कर दिया।जिससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त हो गया। तथा ग्रामीणों ने घटना को लेकर हंगामा किया।मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जांच पड़ताल शुरू कर दी।वहीं ग्रामीण सचिन ने अज्ञात के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। ककरौली थाना क्षेत्र के गांव जडवड में रविवार की रात्रि शरारती तत्वों ने देव स्थान पर स्थित शिव मंदिर में घुसकर वहां रखी भगवान शिव की मूर्ती को खंडित कर दिया साथ ही नाग देवता व त्रिशूल को खंडित

कर वहां रखे अन्य सामान को खुर्द बुर्द कर दिया।सुबह सवेरे मंदिर के पुजारी जितेन्द्र आरती के लिए मंदिर पहुंचे तो भगवान शिव की मूर्ती को खंडित पाकर सन्न रह गये साथ की मंदिर मे लगी टाइल्स भी टूटी मिली। घटना की सूचना जितेन्द्र ने जिसपर मंदिर पहुंचे पूर्व जिला पंचायत सदस्य नजरसिंह गुर्जर बृजपाल सिंह प्रधान, मामचंद व हरेंद्र मौके पर पहुंचे और खंडित मूर्ति को देखकर ग्रामीणों में रोष फैल गया। सूचना पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी भोपा देवव्रत बाजपेयी,थाना प्रभारी निरीक्षक जयसिंह भाटी ने घटना की जानकारी कर जांच पड़ताल शुरू कर दी।

शिवम उपाध्याय की मौत की निष्पक्ष जांच करे पुलिस : मनीष चौधरी

मुजफ्फरनगर। चार दिन पूर्व रेलवे लाइन पर मृत पाये गये ब्राह्मण समाज के युवक शिवम उपाध्याय की मौत के प्रकरण में पीड़ित परिवार की आवाज को ताकत देने के लिए राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी ने कमर कस ली है। परिवार के लोगों ने उनसे मुलाकात कर अपनी पीड़ा रखी तो उन्होंने इंसाफ दिलाने के लिए हर संभव मदद का आश्वासन देने के साथ ही हाथों हाथ थाना प्रभारी से मामले की जांच कराने की मांग की और पुलिस ने परिवार के लोगों से मिलकर छानबीन शुरू करते हुए कार्यवाही का भरोसा दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष चौधरी ने मीडिया कर्मियों को बताया कि 14 फरवरी की शाम को ब्राह्मण समाज के युवक शिवम की थाना सिविल लाइन क्षेत्र में रेलवे लाइन पर लाश मिली थी। इस मामले में पीड़ित परिवार को संदेह है कि युवक की हत्या की गई है। इसी को लेकर वो पुलिस से जांच की मांग कर रहे है, लेकिन पुलिस इसमें उनकी कोई मदद नहीं कर रही थी। पीड़ित परिवार की समस्या को हमने थाना प्रभारी तक पहुंचाया और इसमें कार्यवाही तथा जांच की मांग की है। उन्होंने सूजडू चौकी इंचार्ज सत्येंद्र कुमार को भेजकर मामले की छानबीन शुरू कराई है। हमारी मांग है कि परिवार के संदेह के आधार पर मृतक की बाइक और अन्य सामान पुलिस बरामद करे तथा उसकी मौत की सच्चाई सामने लाये। इसमें यदि पुलिस कार्यवाही नहीं करती है तो हम पीड़ित परिवार के साथ आंदोलन करने से भी पीछे नहीं हटेंगे। मामला एसएसपी और दूसरे आला अधिकारियों तक भी हम लेकर जायेंगे।

इस दौरान मृतक शिवम के भाई राजदीप पुत्र अशोक उपाध्याय ने मीडिया को दी जानकारी में बताया कि 14 फरवरी को रेलवे लाइन संधावली अंडर पास पर उनके भाई शिवम का शव मिला था। वंदे भारत ट्रेन से दुर्घटना में शिवम की मौत होने का दावा पुलिस कर रही है। पुलिस आत्महत्या बता रही है, लेकिन उनके भाई की हत्या की गई है। शिवम की बाइक, बैग नहीं बरामद हुई है। उसका मोबाइल फोन भी नहीं मिला है। हमने थाने जाकर इस सम्बंध में शक के आधार पर अपनी तहरीर देकर कार्यवाही करने की मांग की, लेकिन थाना प्रभारी ने धमकाकर भगा दिया। हम चाहते हैं कि शिवम की मौत की गहनता से निष्पक्ष जांच की जाये, ताकि सच्चाई परिजनों को पता चल सके और उकसी बाइक तथा अन्य सामान भी पुलिस बरामद करे। हमें शक है कि शिवम की हत्या लूट करने के इरादे से की गई है। पुलिस कोई सुनवाई नहीइं कर रही थी तो हमने प्रसिद्ध समाजसेवी मनीष चौधरी से आकर अपनी पीड़ा को रखा और आज उन्होंने पूरी मदद की तो पुलिस वालों ने आकर हमसे घटना के सम्बंध जानकारी ली और छानबीन शुरू कर दी है। हम चाहते हैं कि इसमें हमारी तहरीर पर रिपोर्ट भी दर्ज की जाये।

इस दौरान मुख्य रूप से प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधारी, गगनदीप उपाध्याय, अमरजीत, ब्रजेश दूबे, जगदीश, गोविन्द, रमाशंकर, शुभम, नित्य कुमार, कृष्णा, लवकुश, लोकेश, गोपाल शर्मा, राजदीप, गगनदीप, अशोक कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बिजनौर अधिकारियो ने शुकदेव आश्रम मे लिया संतो का आशीर्वाद

मोरना। शुकदेव आश्रम मे पहुंचे बिजनौर एस डी एम ने बेटी के जन्मदिन एवं जिला ऑडिट अधिकारी अपने जन्मदिन के अवसर पर भागवत पीठाधीश्वर स्वामी ओमानंद महाराज से

आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान दोनों अधिकारियों का पटका पहनाकर सम्मान किया गया। मुजफ्फरनगर जनपद के महाबलीपुर की बेटी रीतू चौधरी बिजनौर जनपद में उपजिलाधिकारी हैं ।तथा उनके पति जिला ऑडिट अधिकारी शुभम भी बिजनोर जनपद में तैनात है।उपजिलाधिकारी ऋतु चौधरी ने बेटी के जन्मदिन एवं जिला ऑडिट अधिकारी शुभम ने अपने जन्मदिन के अवसर परिवार के सदस्यों भतीजी वानीव भतीजे वर्णित के साथ,श्री शुकदेव आश्रम जाकर पीठाधीश्वर स्वामी ओमानंद महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया।इस दौरान दोनों अधिकारियों का पटका पहनाकर सम्मान किया गया।उपजिलाधिकारी ऋतु चौधरी ने बताया कि आज ही दिन उनका पीसीएस का रिजल्ट भी आया था।इसीलिए वह परिवार के साथ शुकतीर्थ आशीर्वाद लेने पहुंचे साथ ही, उन्होंने श्री शुकदेव मंदिर में पूजा अर्चना की और तीर्थ के जीर्णोद्धारक स्वामी कल्याणदेव महाराज की समाधि पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

शुभम कश्यप जिलाध्यक्ष व हरपाल कश्यप ब्लश्वक अध्यक्ष बनाए गए

बुढ़ाना। आज कस्बा बुढाना के पारसी बस स्टैंड के पास स्थित शुभम कश्यप जी के आवास पर महर्षि कश्यप एकता संगठन की एक बैठक की गई जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष मास्टर सुशील कश्यप ने सर्वसम्मति से शुभम कश्यप को महर्षि कश्यप

एकता संगठन का जिला अध्यक्ष, मुजफ्फरनगर व हरपाल कश्यप जी को शाहपुर ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया। सभी ने सर्वसम्मति से दोनों नवनियुक्त पदाधिकारीओ का माल्यार्पण कर सम्मान किया। बैठक में कश्यप समाज से खाप चौधरी डॉ. सोनू कश्यप,रोशन लाल कश्यप जी, जगमोहन कश्यप जी,बृजमोहन कश्यप जी,लोकेंद्र कश्यप जी,नंदन कश्यप जी,कुलदीप कश्यप,अमित कश्यप,सीताराम कश्यप, जितेंद्र कश्यप, नरेंद्र कश्यप,ओमपाल कश्यप, मुकेश कश्यप (नानु), संजीव पाल, विंदर कश्यप नंदन कश्यप जी, आनंदपाल कश्यप,अमित कश्यप, आर्य कश्यप,रोशन लाल कश्यप, बृजमोहन मनमोहन कश्यप,बबलू कश्यप आदि गणमान्य उपस्थित रहे।

भोपाल शहर समता विचार भोपाल इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

भोपाल। शहर समता विचार मंच भोपाल इकाई की महिला काव्यगोष्ठी कमला सक्सेना की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि आशा जाकड़ विशिष्टअतिथि उमा मिश्रा प्रीति सारस्वत अतिथि डा . सीमा अग्रवाल स्वागत उद्बोधन आशा सक्सैना काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण अतिथि द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति सरोज लता सोनी द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन साधना शुक्ला ने किया। काव्य गोष्ठी में सभी बहनों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें ।आशा श्रीवास्तव,सुधा दुबे , साधना श्रीवास्तव, सुषमा पटेल , सुषमा श्रीवास्तव सरोज लता सोनी, अनुराधा यादव,चित्रा घोटे,वंदना पाठक सीमा तिवारी, बालारानी वर्मा ,अर्चना शर्मा मंजू गुप्ता,विमला विश्वकर्मा, रानी सिंगोरिया, अंतमें धन्यवाद ज्ञापन. अर्चना शर्मा द्वारा किया गया।

मंडलीय प्रतियोगिता में दौड़ लगाते आगरा की छात्रा हुई बेहोश

मथुरा। बेसिक शिक्षा परिषद की मंडलीय खेलकूद प्रतियोगिता के दौरान गणेशरा स्थित स्व. मोहन पहलवान राजकीय स्टेडियम के ट्रैक पर दौड रही एक छात्रा की दौड़ते दौड़ते अचानक गिर पड़ी और बेहोश हो गई। हॉस्पिटल में भर्ती कराई गई छात्रा की हालत गंभीर बनी हुई है। प्रधानमंत्री श्री गेम्स के अंतर्गत बेसिक शिक्षा परिषद की मंडलीय प्रतियोगिता का मंगलवार को स्व. मोहन पहलवान राजकीय स्टेडियम गणेशरा मथुरा में प्रारंभ हुई। आज सुबह मंडलीय खेलकूद प्रतियोगिता में अन्य प्रतिभागियों के साथ आगरा के एत्मादपुर के उच्च प्राथमिक विद्यालय की आठवीं क्लास की छात्रा वंशिका चौधरी भी ट्रैक पर तोड़ रही थी। दौड़ लगाते लगाते वंशिका अचानक मैदान में गिरी और बेहोश हो गई। मौके पर मौजूद आयोजकों द्वारा ट्रैक पर गिरी स्टूडेंट को होश में लाने का प्रयास किया गया। शरीर में कोई हलचल नहीं होने की वजह से एंबुलेंस की सहायता से स्टूडेंट को जिला अस्पताल भेजा गया।

खाद्य विभाग ने सिंथेटिक खाद्य रंगों को लेकर फिर दी चेतावनी

मथुरा। खाद्य सुरक्षा अधिकारी रामनरेश द्वारा कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, स्वरूपा मथुरा का निरीक्षण किया गया तथा विद्यालय की रसोई से मूंग दाल और चावल के नमूने गुणवत्ता जांच के लिए संग्रहित किये गयेरनित। खाद्य सुरक्षा अधिकारी धर्मेंद्र कुमार द्वारा भटेन गेट, कोसीकलां मथुरा में खाद्य सचल प्रयोगशाला फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स के माध्यम से विभिन्न प्रकार की मिठाईयों, खाद्य तेल, पिसें मसाले आदि के 28 नमूने लिए गए किसी भी नमूने में मिलावट की पुष्टि नहीं हुई। मौके पर उपस्थित खाद्य कारोबारकर्ताओं को मानक के अनुरूप खाद्य सामग्री तैयार करने और बेचने के निर्देश दिए गए। मिठाई विक्रेताओं को मिठाइयों के निर्माण में सिंथेटिक खाद्य रंगों के प्रयोग करने से मना किया गया। खाद्य कारोबारकर्ताओं को खाद्य सुरक्षा अनुज्ञप्ति एवं पंजीकरण विनियम 2011 की अनुसूची 4 में दिए गए विनियमों के अनुरूप अपने प्रतिष्ठान में साफ सफाई रखने, कच्चे और तैयार खाद्य पदार्थों को ढक कर रखने और मास्क पहनने के लिए निर्देशित किया।

अवैरनी में साढ़े पांच हेक्टेयर सरकारी भूमि से अवैध कब्जा हटवाया

मथुरा। बलदेव के ग्राम नगला उदय सिंह भाग अवैरनी में उपजिलाधिकारी ने एक शिकायत पर संज्ञान लेते हुए पैमाईश करवाकर अवैध रूप से कब्जाई करीब साढ़े पांच हेक्टेयर जमीन और उस पर उगाई गई गेहूं और सरसों की फसल सहित कब्जा मुक्त करा कर ग्राम पंचायत अवैरनी को सौंपी। उप जिलाधिकारी महावन आदेश कुमार ने बताया कि नगला उदय सिंह भाग ग्राम अवैरनी के निवासी दर्शन सिंह ने ग्राम पंचायत की सरकारी जमीन पर अवैध रूप से कब्जा करने की लिखित रूप से शिकायत की थी जिस पर संज्ञान लेते हुए राजस्व टीम द्वारा पैमाइस की गई। पैमाईश में करीब साढ़े पांच एकड़ सरकारी जमीन पर गेहूं और सरसों की उगाई कर रखी थी जिसे मुक्त कराने के लिए उपजिलाधिकारी आदेश कुमार राजस्व टीम दो नायब तहसीलदार, दो राजस्व निरीक्षक, दस लेखपाल एवं पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और पैमाइस की।

सम्पादकीय.....

अश्लीलता-अभद्रता की हद

हाल के दिनों में सोशल मीडिया से जुड़े प्लेटफॉर्मों के कार्यक्रमों में स्वेच्छाचारिता और वर्जनाएं तोड़ने के अनगिनत मामले प्रकाश में आए हैं। जो भारतीय सामाजिक व पारिवारिक मूल्यों का अतिक्रमण करते हुए अराजक व्यवहार कर रहे हैं। पिछले दिनों संसद से लेकर सड़क तक यूट्यूब पर प्रसारित एक फूहड़ व अभद्र कार्यक्रम के खिलाफ कार्रवाई की मांग गूंजती रही, जिसमें अभद्रता से सामाजिक मर्यादा की सीमाएं लांघने की कुत्सित कोशिश हुई। पिछले दिनों कॉमेडियन समय रैना के यूट्यूब शो 'इंडियाज गॉट टैलेंट' में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर व यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया ने एक अश्लील, अभद्र व अमर्यादित टिप्पणी की। इस बदमिजाज यूट्यूबर ने शो के एक प्रतिभागी के माता–पिता के अंतरंग पलों के बारे में घोर निंदाजनक प्रश्न किए। जैसा अपेक्षित था, भारतीय परिवार व सांस्कृतिक मूल्यों पर हमला करने वाली टिप्पणी पर देश में भारी विवाद हुआ। देश के विभिन्न भागों में इस मामले में शिकायतें दर्ज की गईं, और राष्ट्रीय महिला आयोग ने ऐसे कार्यक्रमों के नियमन की मांग करते हुए कार्रवाई की सिफारिश की। साथ ही राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने यूट्यूब से इस विवादित कार्यक्रम को हटाने के निर्देश दिए। देश के राजनीतिक क्षेत्रों में भी इस विवाद को लेकर तीखी टिप्पणियां सामने आईं। इस विवाद ने देश में इस बहस को एक बार फिर तेज किया कि सामाजिक मूल्यों को लेकर अभिव्यक्ति की आजादी की सीमा के निर्धारण और डिजिटल कंटेंट निर्माताओं की जवाबदेही कैसे तय की जाए। साथ ही रचनात्मक अभिव्यक्ति तथा सार्वजनिक शिष्टाचार में सामंजस्य कैसे बनाया जाए। दरअसल, सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर लाइक और फॉलोअर्स बढ़ाने के लिये तमाम फूहड़ व तल्खीभरे कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाता है, ताकि इससे यूट्यूबरों की आय बढ़ सके। बदलते वक्त की विडंबना यह है कि धीर–गंभीर व उपयोगी कार्यक्रमों को दर्शकों का वह प्रतिसाद नहीं मिलता, जो ऊल–जलूल कार्यक्रमों को मिलता है। इन कार्यक्रमों के ज्यादा देखे जाने से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का विज्ञापन भी बढ़ता है। इसी होड़ में अमर्यादित और विवादास्पद कार्यक्रमों की शृंखला का जन्म होता है। ऐसे में सवाल उठाया जा रहा है कि क्या सोशल मीडिया नियमन को लेकर बने कानून इस अराजकता पर अंकुश लगाने में सक्षम हैं? क्या इलेक्ट्रानिक माध्यमों के जरिये प्रसारित सामग्री पर सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम को सख्त बनाने की जरूरत है? क्या अश्लील अभिव्यक्ति को दंडनीय बनाने के लिये सख्त कानूनों की जरूरत है? सवाल यह भी है कि हंसी मजाक के कार्यक्रमों के लिये सामाजिक मर्यादाओं की सीमा कैसे तय की जाए? जाहिर है अब वक्त आ गया है कि मनोरंजक हास्य कार्यक्रमों और आपत्तिजनक कंटेंट के बीच सीमा का निर्धारण किया जाए। निस्संदेह, किसी लोकतांत्रिक देश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अपरिहार्य शर्त है, लेकिन इसका अर्थ यह कदापि नहीं है कि हम तमाम सामाजिक व पारिवारिक मर्यादाओं को ताक पर रख दें। किसी भी सूरत में सोशल मीडिया को एंटी सोशल अभिव्यक्ति की आजादी नहीं दी जा सकती। निस्संदेह, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को कंटेंट के बाबत जवाबदेह बनाने की जरूरत है। इसके संचालकों को चाहिए कि रचनात्मक स्वतंत्रता के नाम पर सार्वजनिक शिष्टाचार का अतिक्रमण न करें।

हादसों का महाकुम्भ

टी एन अशोक

अंदर के यात्री यदि भीड़ को घुसने से रोकने के लिये चिटकनी लगा रहे हैं तो बाहर प्लेटफॉर्मों के सैलाब उसे खुलवाने का प्रबन्ध कर पहुंच रहे हैं। भीतर किसी के घायल होने की परवाह किये बगैर बांस–बल्लियों से कांच तोड़े जा रहे हैं और डिब्बों में लड़ाई–झगड़े हो रहे हैं।

प्रयागराज में चल रहा महाकुम्भ जैसे–जैसे आगे बढ़ रहा है, उस सिलसिले में हादसों पर हादसे हो रहे हैं। मेला क्षेत्र में होने वाली भगदड़ और आगजनी की कई घटनाओं के अलावा देश भर से प्रयागराज या इस दिशा में आने वाली ट्रेनों में जो दृश्य दिखलाई दे रहे हैं वे अपने आप में दुखद हैं। इस श्रृंखला में ताजा हादसा नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 14 व 15 पर शनिवार की रात को करीब 10 बजे हुआ। प्रयागराज जाने वाली ट्रेनें पकड़ने के लिये इतनी बड़ी तादाद में लोग पहुंच गये कि तिल भर भी जगह नहीं रह गयी। पीछे से आने वाले जनसैलाब ने न केवल इन दो प्लेटफॉर्मों को भर दिया वरन सीढ़ियां और फुटओवर ब्रिजों पर भी ऐसी जबर्दस्त भीड़ हो गयी कि लोगों को सांस लेना भी दूभर हो गया। हर बढ़ते जत्थे से स्थिति गम्भीर होती चली गयी। बड़ी संख्या में लोगों के बेहोश होने और दम घुटने अथवा दबने से वैसी ही मौतें होने लगीं जैसी कि प्रयागराज के मेला क्षेत्र में 28 व 29 जनवरी की दरमियानी रात को हुई थी। उसमें मृतकों के सरकारी आंकड़े तो 30 के हैं लेकिन वास्तविक संख्या कई गुना अधिक होने का अंदेशा है। वैसे ही दिल्ली के इस हादसे में रेलवे प्रशासन व सरकार के अनुसार 19 लोगों की मृत्यु बतलाई जाती है लेकिन प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि यह आंकड़ा और भी ज्यादा हो सकता है। इनमें बच्चे और महिलाएं भी हैं। इस बार के महाकुंभ के लिए इस बात का खूब प्रचार किया गया है कि यह 144 वर्षों के बाद दुर्लभ योग में आया है, इसलिए अमृत स्नान के लिये मानो पूरा भारत उत्कंठित है। देश भर से विभिन्न परिवहन के साधनों से करोड़ों की संख्या में लोग यहां अकल्पनीय परेशानियां झेलते हुए पहुंच रहे हैं। स्नान की सभी महत्वपूर्ण तिथियों में लोगों का आना जारी है। ट्रेनों के डिब्बे खचाखच भरे हैं और उनमें एक–एक इंच के लिये संघर्ष हो रहा है। पाप धोने, पुण्य कमाने तथा मोक्ष पाने के आकांक्षी रेल डिब्बों की खिड़कियों में लगे कांच को तोड़कर उनमें घुस रहे हैं। लोगों को कुम्भ में आने के लिये आकर्षित करने के उद्देश्य से सरकार ने प्रयागराज से लौटने वाली ट्रेनों में सामान्य श्रेणियों की यात्रा मुफ्त कर रखी है लेकिन श्रद्धालु एक कदम आगे बढ़ते हुए न केवल आने वाली ट्रेनों से ही बगैर टिकट व आरक्षण के आ रहे हैं वरन आरक्षित व एसी डिब्बों में भी बेरोकटोक घुसकर दूसरों की सीटों पर कब्जा कर रहे हैं। अंदर के यात्री यदि भीड़ को घुसने से रोकने के लिये चिटकनी लगा रहे हैं तो बाहर प्लेटफॉर्मों के सैलाब उसे खुलवाने का प्रबन्ध कर पहुंच रहे हैं। भीतर किसी के घायल होने की परवाह किये बगैर बांस–बल्लियों से कांच तोड़े जा रहे हैं और डिब्बों में लड़ाई–झगड़े हो रहे हैं। स्टेशनों पर तैनात रेलवे कर्मचारी व पुलिस बल अपर्याप्त साबित हो रहा है। नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भी भीड़ इतनी ज्यादा थी कि उसे नियंत्रित करना ही असम्भव हो गया था। सड़क मार्ग से आने वालों की अपनी दिक्कतें हैं। प्रयागराज से आने वाले सारे मार्ग लगभग जाम रहते हैं। मौनी अमावस्या के दौरान तो कम से कम 3 सौ किलोमीटर जाम देखा गया जिससे निजात पाने के लिये लोगों को वाहनों के भीतर दो से तीन दिन तक गुजारने पड़े। खाने–पीने का सामान खत्म या कई–कई गुना महंगा हो गया। प्रयागराज पहुंचने वाले रास्तों पर पड़ने वाले गांव एवं कस्बे भी भीड़ के कारण परेशानियां झेल रहे हैं। तमाम व्यवस्थाएं ठप हैं और प्रशासन लाचार। लोगों को उनके हाल पर छोड़ा जा रहा है। उनकी मदद न तो सरकार कर पा रही है, न राजनीतिक दल और न ही वे धार्मिक संस्थाएं, धर्मगुरु, अखाड़े एवं सम्प्रदाय जो हिन्दुओं का नेतृत्व करने का दावा करते हैं। लोग बेमौत मारे जा रहे हैं। अलबत्ता, इस महाकुम्भ का सियासी लाभ लेने में भारतीय जनता पार्टी सबसे आगे है। मेला क्षेत्र में हुए हादसे के अगले दिन श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से की गयी पुष्प वर्षा बतलाती है कि न तो केन्द्र सरकार की मरने वालों के प्रति संवेदना है और न ही राज्य सरकार की। उत्तर प्रदेश सरकार ने उस हादसे की जांच के आदेश दे दिये हैं जिसमें अंततः कौन सा एंगल सामने आता है, देखना होगा। ऐसे हादसे दोबारा न हों उसके पुख्ता इंतजाम करने की बजाये उप्र सरकार ने 21 सोशल मीडिया यूजर्स के खिलाफ भगदड़ सम्बन्धी भ्रामक वीडियो डालने के मामले जरूर दर्ज किये हैं जो बतलाता है कि मुकम्मल व्यवस्था बनाये रखने में नाकाबिल सरकार आवाज दबाने के ऐसे उपाय करने में जुट गयी है। इसी तरह से नयी दिल्ली तथा रेलवे प्रशासन ने दिल्ली दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है। अब वहां भीड़ को नियंत्रित करने के लिये पुलिस की 6 अतिरिक्त कम्पनियां तैनात कर दी गयी हैं। उधर घायलों को एलएनजीपी अस्पताल में भर्ती किया गया है जिसके बाहर सशस्त्र बल लगाये गये हैं। कहते हैं कि मृतकों व घायलों की संख्या को सरकार छिपाना चाहती है इसलिये मीडिया को अंदर जाने की अनुमति नहीं है। परिजन भी भीतर जाने के लिये तरस रहे हैं। इस हादसे ने साबित कर दिया है कि उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यह दावा खोखला साबित हुआ जिसमें उन्होंने कहा था कि इस महाकुम्भ में 40 करोड़ लोगों के आने के अनुमान हैं लेकिन सरकार ने 100 करोड़ लोगों के आने की तैयारी कर रखी है। बताया जाता है कि मौनी अमावस्या पर राज्य सरकार को 10 करोड़ से ज्यादा लोगों के आने का अंदाजा था। हालांकि 8–9 करोड़ लोगों के आने पर ही व्यवस्था ढह गयी। यदि सचमुच अनुमानित संख्या में लोग आते तो क्या स्थिति बनती– इसका भी अनुमान लगाया जा सकता है। दिल्ली का हादसा बताता है कि रेलवे ने भी पर्याप्त तैयारियां एवं व्यवस्था नहीं कर रखी हैं। ऐसे में लोगों को आमंत्रण देना उनकी जान से खिलवाड़ करना है।

कांग्रेस में फेरबदल: क्या पार्टी को नुकसान पहुंचाने वालों को हटाया जाएगा?

शकील अख्तर

आल इंडिया कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के पुनर्गठन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। लंबे समय बाद यह काम हो रहा है इसलिए उम्मीद थी कि एक बार में पूरी तरह होगा। लेकिन शायद इसके लिए बहुत मजबूत इच्छाशक्ति की जरूरत होती है। राहुल गांधी के पास है मगर वह प्रधानमंत्री मोदी भाजपा संघ के सामने। अपनी पार्टी में वह मजबूत नेता की तरह आते नहीं दिख रहे। और अब जब सब कुछ उनके हाथ में है तब भी अगर वे पार्टी में मजबूत नेता के तौर पर काम नहीं करते तो कांग्रेस को मान लेना चाहिए कि राहुल इन्दिरा गांधी या आज की बात करें तो प्रतिद्वन्दी मोदी की तरह, अपनी पार्टी चलाने के इच्छुक नहीं हैं, अब पार्टी को ही उन्हें उनकी तरह चलाना होगा। उनकी तरह चलाने से क्या मतलब है? पहले यह स्पष्ट कर दें! राहुल व्यक्तिगत रूप से हजारों किलोमीटर जैसी मुश्किल दो–दो यात्राएं, बेशुमार लोगों से मिलना, विभिन्न कामकाजी वर्गों के पास जाना उनके काम और जिन्दगी के बारे में समझना, पिता राजीव गांधी की तरह नई टेक्नालॉजी एआई, ड्रोन से भारत के भविष्य बनाने की बात करना, किसी खतरे से नहीं घबराना जैसे वाले आदमी हैं। नेताओं का वह मिजाज उनका नहीं है कि सब कुछ खुद करना है। अपने कंट्रोल में रखना है। नहीं है तो नहीं है! हालांकि आज इस चीज की सबसे ज्यादा जरूरत है। भाजपा में तो मोदी ही मोदी हैं। उनके अलावा और कोई कुछ नहीं है। ऐसे ही बाकी पार्टियों में भी। टीएमसी में ममता बनर्जी हैं। सपा में अखिलेश यादव। राजद में लालूप्रसाद यादव। सब जगह एक व्यक्ति जो उसका सबसे बड़ा नेता है वही सर्वेसर्वा है। जदयू में अब नीतीश कुमार का कंट्रोल नहीं रहा तो नीचे गिरते हुए दिखने लगी। बाकी एक नेता की जिन पार्टियों का जिक्र किया वे अपने–अपने में मजबूत हैं। तो आज की देश की परिस्थितियां ऐसी हैं कि वहां पार्टी के आन्तरिक लोकतंत्र के सवाल का कोई मतलब नहीं है। मुख्य बात है आपकी पार्टी कितना मजबूत हो रही है। राहुल गांधी पार्टी में लोकतंत्र की स्थापना करते रहें लेकिन जब देश में ही वह कमजोर किया जा रहा है जिसे खुद राहुल कहते हैं तो वह किसी पार्टी में कितना रहेगा। मतलब पार्टी रहेगी तो आन्तरिक लोकतंत्र और दूसरे सिद्धांत रहेंगे। पहली बात पार्टी को मजबूत करना है। तो इन परिस्थितियों में कांग्रेस को यह सोचना होगा कि वह राहुल का बेहतर इस्तेमाल कैसे कर सकती है। संगठन जैसे काम अगर उनकी रूचि का विषय नहीं है तो उसमें उनकी राय ली जाए मगर भूमिका सीमित रखी जाए। कहना आसान है। मगर करना बहुत टिपिकल। वैसे राहुल अहंवादी व्यक्ति नहीं हैं। टीम के हिसाब से खेल सकते हैं। मगर कोई खिलाने वाला होना चाहिए। जो कांग्रेस में चाणक्य की बात की जाती है वह इसीलिए। मगर आजकल चाणक्य कहां मिलते हैं। मैनेजर होते हैं। और मैनेजर अपना फायदा देखते हैं। कांग्रेस के सबसे पुराने और बड़े मैनेजर गुलामनबी आजाद रहे। तमाम राज्यों के प्रभारी रहे। काम हाईकमान का नाम लेकर करते थे मगर प्रचार यह कि उनकी राजनीतिक क्षमता है। आज मालूम पड़ गई राजनीतिक क्षमता! पार्टी में एक आदमी नहीं बचा। खुद ही झोला झंडा सब उठाना पड़ रहा है। ऐसे ही बीजेपी में एक हुए थे–प्रमोद महाजन। वाजपेयी जैसे जमीनी नेता को भरोसा दिला दिया कि इंडिया इज शाइनिंग! और जल्दी चुनाव करवाकर हरवा दिया। वाजपेयी जी ने जिन्दगी भर विपक्ष की राजनीति की। पुरानी अम्बेसडर में देश भर की सड़कों की खाक छानी। मगर मैनेजर के चक्कर में वे भी आ गए और छह महीने पहले चुनाव करवा दिए। प्रधानमंत्री मोदी की सफलता का एक बड़ा कारण यह है कि कोई मैनेजर नुमा नेता उनके आसपास नहीं है।

वाजपेयी जैसे दूसरे जमीन से जुड़े नेता मुलायम सिंह यादव भी अमर सिंह जैसे मैनेजर के कारण 2007 का चुनाव हारे थे। पहली बार मायावती पूर्ण बहुमत से सत्ता में आई थीं। उसके बाद अखिलेश यादव ने जब अमर सिंह का ठीक से इलाज किया तब वे 2012 में सपा को फिर सत्ता में ला पाए थे। इसलिए राजनीति में मैनेजरों से बचने की बहुत जरूरत है। चाणक्य होना चाहिए। लेकिन असली जो अपने हितों को नहीं देखे पार्टी और नेता को आगे बढ़ाने की सोचे। अर्जुन सिंह जैसा। सोनिया गांधी को कांग्रेस में सक्रिय करने और 1998 में अध्यक्ष बनाने से लेकर 2004 की केन्द्र की सत्ता में वापसी तक अर्जुन सिंह की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। लेकिन बाद में खुद उनको ही अलग थलग कर दिया गया। लेकिन वे आखिरी तक पार्टी और परिवार के प्रति अपनी वफादारी बनाए रखते हुए ही इस दुनिया से गए। टीवी की दर्जनों ओबी वेन उनके घर के सामने महीनों खड़ी रहीं कि वे राजीव गांधी के खिलाफ कुछ बोल दें मगर वे एक शब्द नहीं बोले। तो राहुल के लिए और उनसे ज्यादा पार्टी के लिए यह समय थोड़ा भूमिकाओं को पुनर्निधारित करने का है। मल्लिकार्जुन खरगे एक अध्यक्ष के तौर पर बहुत सही काम कर रहे हैं। खासतौर से समन्वय का। सबकी सुन रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष और पार्टी अध्यक्ष दो ही सबसे बड़े पद हैं। लोग दोनों जगह जाकर स्थिति भांपने की कोशिश करते हैं। कांग्रेसी तो इस काम के लिए प्रसिद्ध हैं। अभी जैसे ऊपर बताया अर्जुन सिंह जैसे सोनिया और परिवार के वफादार को आरोपित कर दिया गया था। राहुल के बारे में उनके विचारों को चापलूसी तक कह दिया। और वह भी बाकायदा प्रेस कान्फ्रेंस करके प्रेस नोट निकालकर। 2007 में राहुल के महासचिव बनने के बाद कौन नहीं चाहता था कि वे और बड़ी भूमिका में आएं। लेकिन अर्जुन सिंह को इस के लिए चापलूस बना दिया। कांग्रेसियों ने ही। लेकिन अभी खरगे और परिवार के बीच नाइत्तफाकी पैदा करने का कलाकारों को कोई मौका नहीं मिल रहा है। खरगे की राहुल के साथ ट्यूनिंग बहुत अच्छी है। लेकिन पार्टी के लिए कुछ और चीजें होना भी जरूरी हैं। खासतौर से संगठन के लिए। और इनमें सबसे जरूरी है नेताओं पर पार्टी का डर। वह सिरे से गायब है। प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका जाने से पहले नेहरू और राहुल पर खूब बरसे। लेकिन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर मोदी की अमेरिकी यात्रा की प्रशंसा कर रहे हैं। गुटबाजी तो हर राज्य में है। उसकी वजह से कांग्रेस राजस्थान, हरियाणा जैसे जीते हुए प्रदेशों में विधानसभा चुनाव भी हार रही है मगर इसके दोषी नेताओं पर अभी तक तो कोई गाज गिरी नहीं। आगे देखते हैं अभी फेरबदल का काम काफी बाकी है तो पार्टी में यह सख्ती का काम कौन करेगा। यह कहने से काम नहीं चलेगा कि आन्तरिक लोकतंत्र है। याद रखना चाहिए कि इसी अनियंत्रित आन्तरिक लोकतंत्र जो बिल्कुल गैर जिम्मेदारी में बदल गया था, ने पार्टी को 2014 का लोकसभा चुनाव ऐसा हरवाया कि अभी तक वापसी नहीं हो पाई है। तो जो हमने शुरू में कहा कि यह पार्टी को समझना पड़ेगा कि अनुशासन का डंडा हाथ में लेने का काम राहुल नहीं कर सकते। लेकिन अगर शायद कोई दूसरा चलाए तो राहुल चुप रह सकते हैं। कांग्रेस को वही दूसरा, पार्टी को नुकसान पहुंचाने वालों को सही करने वाला, ढूंढना होगा। क्या खुद खरगे कर सकते हैं? प्रियंका हो सकती हैं? कांग्रेस को देखना होगा। राहुल कहते हैं पार्टी छोड़कर चले जाएं! खुद से जाता कोई नहीं है। अभी पुनर्गठन में मौका है। निकालें। अभी जो पहली लिस्ट आई है उसमें कुछ के महासचिव और इंचार्ज के पद लिए हैं मगर वह अनुशासन के मामले नहीं है। राजीव शुक्ला, दीपक बावरिया, मोहन प्रकाश, अजोय कुमार सबके अलग–अलग मामले हैं। असली चीज होगी उन पर कार्रवाई जो नेतृत्व की परवाह ही नहीं करते हैं। उसी से पता चलेगा कि पार्टी आगे कितनी दम से चलेगी।

ट्रंप जो चाहते थे वह सब नरेंद्र मोदी से हासिल किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस समय भू–राजनीतिक स्थिति तेजी से बदल रही है और कई देशों में नये नेता सत्ता संभाल रहे हैं। गुरुवार को व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ मोदी की निर्धारित बैठक से अमेरिका के लिए उनके व्यापार विस्तार के मामले में सकारात्मक परिणाम सामने आये, लेकिन भारत के लिए सटीक लाभ का आकलन अभी किया जाना बाकी है। हालांकि एक बात स्पष्ट है। ट्रंप आप्रवासियों पर अपनी नीति पर अड़े रहे और मोदी ने इस पर सहमति जतायी। भारतीय प्रधानमंत्री ने ट्रंप की प्रशंसा की, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा लगाये जाने वाले भारी पारस्परिक टैरिफ से बचने की कोशिश की। ट्रंप और मोदी के रिश्ते को कुछ मीडिया आउटलेट्स में भाईचारा करार दिया गया है – और गुरुवार की बैठक के दौरान यह आत्मीयता जोरदार तरीके से उबलती रही। दोनों नेताओं ने एक–दूसरे की प्रशंसा की, जबकि सार्वजनिक रूप से चर्चा के अधिक चुभने वाले बिंदुओं को दरकिनार कर दिया। उनमें से मुख्य था ट्रंप द्वारा हाल ही में घोषित पारस्परिक टैरिफ का सवाल, जिसमें उन्होंने अमेरिकी वस्तुओं पर विदेशी आयात करों का जवाब प्रत्येक देश द्वारा लगाये जाने वाले दरों के बराबर देने का प्रस्ताव रखा है। दोनों दक्षिणपंथी नेताओं, मोदी और ट्रम्प, पर अपने देशों में लोकतांत्रिक पतन के आरोप लगे हैं। दोनों नेताओं ने हाल ही में अपने–अपने देशों में फिर से चुनाव भी जीता है: मोदी ने पिछले साल जून में और ट्रम्प ने पिछले नवंबर में। गुरुवार को उनके अधिकांश सार्वजनिक प्रदर्शन एक–दूसरे के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के लिए समर्पित थे, जिसमें ट्रम्प ने मोदी की शमहान नेताश के रूप में सराहना की और मोदी ने ट्रम्प को शमित्रश कहा। गुरुवार को मोदी अपने खुद के प्रस्तावों

के साथ पहुंचे, जो ट्रम्प द्वारा भारत के खिलाफ उठाये जाने वाले किसी भी आर्थिक कदम से निपटने के लिए तैयार किये गये थे। दोनों नेता अपनी बंद कमरे की बैठक से अंतरिक्ष यात्रा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ऊर्जा उत्पादन पर साझेदारी सहित अपने देशों के बीच व्यापार बढ़ाने के समझौते के साथ बाहर आये। ट्रंप ने कहा, प्रधानमंत्री और मैं ऊर्जा पर एक महत्वपूर्ण समझौते पर भी पहुंचे हैं, जो संयुक्त राज्य अमेरिका को भारत के लिए तेल और गैस के प्रमुख आपूर्तिकर्ता के रूप में पुनर्स्थापित करेगा। उम्मीद है कि यह उनका नंबर–एक आपूर्तिकर्ता होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के समान एक अंतरराष्ट्रीय बुनियादी ढांचे का भी जिक्र किया,जो दुनिया भर के सहयोगियों को जोड़ेगा। ट्रंप ने बताया, श्हम इतिहास के सबसे महान व्यापार मार्गों में से एक के निर्माण में मदद करने के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए हैं। यह भारत से इजरायल, इटली और आगे संयुक्त राज्य अमेरिका तक जायेगा, जो हमारे भागीदारों को बंदरगाहों, रेलवे और अंडरसीकेबल्स से जोड़ेगा। ट्रम्प ने अपनी ओर से कहा कि अमेरिका भारत को कई अरबों डॉलर की सैन्य बिक्री बढ़ायेगा। दोनों नेताओं ने अपने नागरिकों को अधिक समृद्ध, राष्ट्रों को अधिक मजबूत, अर्थव्यवस्थाओं को अधिक नवीन और आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक लचीला बनाने के लिए व्यापार और निवेश का विस्तार करने का संकल्प लिया। उन्होंने निष्पक्षता, राष्ट्रीय सुरक्षा और रोजगार सृजन सुनिश्चित करने वाले विकास को बढ़ावा देने के लिए अमेरिका–भारत व्यापार संबंधों को गहरा करने का संकल्प लिया। इस उद्देश्य से, नेताओं ने द्विपक्षीय व्यापार के लिए एक साहसिक नया लक्ष्य निर्धारित किया–मिशन 500– जिसका लक्ष्य 2030 तक कुल द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना से अधिक करके 500 अरब डॉलर करना है। दोनों नेताओं ने बेहतर वैश्विक ऊर्जा मूल्य सुनिश्चित करने और अपने नागरिकों के लिए सस्ती और विश्वसनीय ऊर्जा पहुंच सुनिश्चित करने के लिए हाइड्रोकार्बन के उत्पादन को बढ़ाने के महत्व को रेखांकित किया। नेताओं ने संकट के दौरान आर्थिक स्थिरता को बनाये रखने के लिए रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार के महत्व को भी रेखांकित किया और रणनीतिक तेल भंडार व्यवस्था का विस्तार करने के लिए प्रमुख भागीदारों के साथ काम करने का संकल्प लिया। इस संदर्भ में, अमेरिकी पक्ष ने भारत को अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी में पूर्ण सदस्य के रूप में शामिल होने के लिए अपने दृढ़ समर्थन की पुष्टि की। कुल मिलाकर परिणाम यह है कि ट्रम्प को वह मिल गया जो वह चाहते थे – भारत को रक्षा उपकरण और तेल और ऊर्जा उत्पादों के अमेरिकी निर्यात में एक बड़ा हिस्सा, जिससे उन क्षेत्रों में भारत को रूस का निर्यात कम हो जायेगा। जहां तक एच–1बी वीजा पर भारत के दबाव वाले मुद्दों का सवाल है, ऐसा लगता है कि भारतीय प्रधानमंत्री को कोई रियायत नहीं मिली। अमेरिका में अवैध भारतीय प्रवासियों के संबंध में, नरेंद्र मोदी उन्हें वापस लेने के लिए सहमत हुए। कोई राहत नहीं मिली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के लिए यह एकतरफा रास्ता था, और स्वाभाविक रूप से उन्होंने द्विपक्षीय वार्ता और संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री की जमकर प्रशंसा की।

प्राइम वीडियो ने जिद्दी गर्ल्स सीरीज का रोमांचक ट्रेलर किया रिलीज, 27 फरवरी को होगा प्रीमियर

> कॉलेज लाइफ की मस्ती, चुनौतियों और भावनात्मक उतार-चढ़ाव को पर्दे पर जीवंत करने के लिए इस शो में प्रतिभाशाली नए कलाकारों अतिया तारा नायक, उमंग भदाना, जैना अली, दिया दामिनी और अनुप्रिया करौली को शामिल किया गया है। इनके साथ ही मशहूर कलाकार सिमरन, नंदिता दास, नंदीश सिंह संधू, लिलेट दुबे और रेवती भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

भारत के सबसे पसंदीदा मनोरंजन डेस्टिनेशन, प्राइम वीडियो, ने आज अपनी बहुप्रतीक्षित ओरिजिनल सीरीज जिद्दी गर्ल्स का रोमांचक ट्रेलर रिलीज किया। यह सीरीज युवाओं की दुनिया का बेहतरीन संगम है, जिसमें बीते दौर की मधुर यादों और आज के दौर की ताजगी का खूबसूरत मेल है। प्रीतिश नंदी कम्युनिकेशंस लिमिटेड के बैनर तले बनी इस सीरीज के निर्माता प्रीतिश नंदी हैं, जबकि इसे रंगिता प्रीतिश नंदी और इशिता प्रीतिश नंदी ने क्रिएट किया है। निर्देशन की कमान शोनाली बोस ने संभाली है, और इसे वसंत नाथ व नेहा वीणा शर्मा ने लिखा और निर्देशित किया है। कॉलेज लाइफ की मस्ती, चुनौतियों और भावनात्मक उतार–चढ़ाव को पर्दे पर जीवंत करने के लिए इस शो में प्रतिभाशाली नए कलाकारों अतिया तारा नायक, उमंग भदाना, जैना अली, दिया दामिनी और अनुप्रिया करौली को शामिल किया गया है। इनके साथ ही मशहूर कलाकार सिमरन, नंदिता दास, नंदीश सिंह संधू, लिलेट दुबे और रेवती भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। आठ–एपिसोड की यह ओरिजिनल सीरीज भारत में प्राइम वीडियो पर और दुनिया भर के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में 27 फरवरी को हिंदी में अंग्रेजी उपशीर्षक के साथ प्रीमियर के लिए तैयार है। जिद्दी गर्ल्स का ट्रेलर दर्शकों को सीधे मैटिल्डा हाउस कॉलेज (जिसे डभ भी कहा जाता है) की दुनिया में ले जाता हैकृजहां परंपराओं की गहरी जड़ें हैं, लेकिन बदलाव भी अनिवार्य है। एक नई, बेखौफ पीढ़ी यहां कदम रखती है, जो सत्ता को चुनौती देने, बाधाओं को तोड़ने और अपने भविष्य के लिए लड़ने के लिए तैयार है। जैसे–जैसे महत्वाकांक्षाएं विरोध से टकराती हैं, तनाव बढ़ता है और पूरा कैंपस विचारध ाराओं के संघर्ष का अखाड़ा बन जाता है। लेकिन इस उथल–पुथल के बीच हंसी के पल भी हैं, दिल छू लेने वाले रिश्ते हैं, और ऐसे दोस्त हैं जो हर मुश्किल में साथ खड़े रहते हैं। क्या ये 'जिद्दी' (निडर) लड़कियां एकजुट होकर अपनी आवाज को बुलंद कर पाएंगी और पुराने नियमों को तोड़कर नियमों को पुनः लिखेंगी? निर्देशक शोनाली बोस ने कहा, "जिद्दी गर्ल्स सिर्फ एक और कॉलेज ड्रामा नहीं है। यह आज के दौर की युवा महिलाओं के जीवन की एक सच्ची, बिना किसी बनावट की झलक है। हर किरदार को बहुत बारीकी से गढ़ा गया है, उनकी यात्राएं इतनी गहरी और जटिल हैं कि वे हमें किसी न किसी रूप में जाने–पहचाने या अपने जैसे लगते हैं। इन लड़कियों का सफर दोस्तियों, महत्वाकांक्षाओं और निजी संघर्षों से गुजरते हुए एकदम वास्तविक और सार्वभौमिक लगता है। और इन कहानियों को जीवंत करने के लिए जो कलाकार साथ आए हैं, उनकी अदाकारी इतनी दमदार है कि हर जीत, हर हार, और हर विद्रोह दर्शकों को असली महसूस होगा। हम इस कहानी को दर्शकों के साथ साझा करने के लिए उत्साहित हैं और हमें पूरा यकीन है कि जब यह प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी, तो लोग इससे जुड़ेंगे। यह वही मंच है, जो हमारी तरह ऐसी कहानियों को दिखाने में विश्वास करता है, जो सिर्फ मनोरंजक ही नहीं, बल्कि सार्थक भी हों। लेखक और निर्देशक, नेहा वीणा शर्मा और वसंत नाथ ने कहा, ष्लेखक और निर्देशक के रूप में, हमने गहन शोध किया और अपने स्वयं के कॉलेज अनुभवों में गहराई से उतरकर शजिद्दी गर्ल्सश को प्रामाणिक, प्रासंगिक और गहराई से जुड़ाव महसूस कराने का प्रयास किया। कॉलेज वह स्थान है जहाँ हमारी पहचान बनती है – एक ऐसी दुनिया जो संभावनाओं से भरी होती हैरू दोस्ती गहरी होती है, सपने बड़े होते हैं, और प्रभाव शक्तिशाली होते हैं। शजिद्दी गर्ल्सश के प्रत्येक किरदार में अपनी अलग चमक और जुनून है, जो इस सीरीज को दिल, हास्य और विद्रोही भावना का एक रोमांचक मिश्रण बनाता है। एक शानदार कलाकारों की टीम – अनुभवी और नए दोनों – के साथ काम करना अद्भुत रहा, क्योंकि उन्होंने इन किरदारों को ऐसे जीवंत किया है जिसकी हमने कल्पना भी नहीं की थी। शोनाली के सहयोग ने कहानी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। इशिता और रंगिता के साथ मिलकर इस शानदार शो को बनाना अविश्वसनीय रहा, और हम इसके लिए प्राइम वीडियो के बेहद आभारी हैं, जिन्होंने हर कदम पर हमारा साथ दिया। हम दर्शकों के इस ऊर्जावान और विचारोत्तेजक दुनिया में खो जाने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जब यह सीरीज 27 फरवरी को दुनियाभर में प्रीमियर होगी।

पुरी पहुंचे अभिनेता वरुण शर्मा ने किए भगवान जगन्नाथ के दर्शन, बोले–खुशनसीब हूं

अभिनेता और कॉमेडियन वरुण शर्मा रविवार को ओडिशा के पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान जगन्नाथ के दर्शन किए। अभिनेता ने बताया कि यहां दर्शन करने का अवसर मिला, जिससे वह खुश हैं और खुद को सौभाग्यशाली मानते हैं। अभिनेता ने बताया कि वह दर्शन करके धन्य महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं यहां आकर बेहद खुश और धन्य हूं। इस स्थान की दिव्य ऊर्जा और पवित्रता शांति देती है। मैं जगन्नाथ मंदिर पहली बार आया हूं और महाप्रभु का आशीर्वाद लेने के बाद मुझे शांति मिली। मैं खुशनसीब हूं कि यहां दर्शन करने को मिला। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है जैसे भगवान ने स्वयं मेरे लिए यहां आने का रास्ता बनाया है। कल मैं भुवनेश्वर में था और आज मुझे आखिरकार पुरी आने और महाप्रभु के दर्शन करने का अवसर मिला। उन्होंने बताया कि वह अपने पेशे से लोगों को खुशियां देने में विश्वास करते हैं। उन्होंने कहा, ष्मेरा प्रयास हमेशा लोगों को खुशी देना और लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाना है। मैं भगवान से यह प्रार्थना करता हूं कि मुझे आशीर्वाद दें कि मैं लोगों को हंसाता रहूं। अभिनेता फुकरे, दिलवाले, छिछोरे समेत अन्य फिल्मों में काम कर चुके हैं। उन्होंने इंडस्ट्री में खुद को अपने बेहतरीन काम से एक खास मुकाम पर पहुंचाया है। वरुण ने साल 2013 में रिलीज हुई मृगदीप सिंह लांबा की कॉमेडी फिल्म फुकरे से एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। यह फिल्म व्यावसायिक रूप से सफल रही और फुकरे फ्रैंचाइज की भी शुरुआत हुई। इसके बाद वरुण 2015 में अभिषेक डोगरा की कॉमेडी डॉली की डोली में नजर आए और उसके बाद कपिल शर्मा के साथ रोमांटिक कॉमेडी शकिस किसको प्यार करूंश में दिखाई दिए। वरुण 2015 में निर्देशक रोहित शेट्टी की एक्शन–रोमांटिक फिल्म दिलवाले में भी दिखाई दिए। इस फिल्म में उन्होंने शाहरुख खान, वरुण धवन, काजोल और कृति सेनन के साथ काम किया। वरुण शर्मा के पास कई अपकमिंग फिल्में हैं, जिसके जरिए वह दर्शकों को फिर से हंसाने के लिए तैयार हैं।

रजत दलाल ने महाकुंभ में किया फर्जी बाबा का पर्दाफाश, शेयर किया वीडियो

बिग बॉस 18 के कंटेस्टेंट रजत दलाल शो से बाहर आने के बाद भी खबरों में बने हुए हैं। हाल ही में वह महाकुंभ में पवित्र स्नान के लिए गए थे, लेकिन इस बार उन्होंने कुछ अलग किया और सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह एक फर्जी बाबा का भंडाफोड़ करते हुए दिखाई दे रहे हैं। रजत का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और उनके फैंस उनकी तारीफ कर रहे हैं। रजत दलाल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह एक साधु के वेष में दिख रहे शख्स को पकड़ते हैं। वीडियो में रजत उस शख्स से सवाल करते हैं, रामजी के कितने भाई थे? लेकिन वह बाबा सवाल का जवाब नहीं दे पाता है और इधर–उधर देखने लगता है। रजत तुरंत कहते हैं, ये बाबा जी भाग रहे थे मुझसे, ये फर्जी बाबा है। इसके बाद रजत उसे और सवाल करते हैं और कहते हैं, अच्छा गायत्री मंत्र सुना दो। इस पर वह साधु कहता है, नहीं जानते हैं हम, जिसे सुनकर रजत ने ताना मारा, अगर तुम जानते नहीं हो तो भगवा क्यों पहना है? रजत ने उसे यह भी कहा, हाथ–पैर सही हैं, मेहनत–मजदूरी करो। इसके बाद रजत ने उस शख्स से उसका नाम पूछा, तो उसने अपना नाम विकास बताया। रजत ने उसकी बातों पर शक किया और उसका आधार कार्ड चेक करने की सलाह दी। जब रजत ने उसका आधार कार्ड देखा तो पाया कि उसमें एक तस्वीर थी, जो उसके बचपन की थी। रजत ने हैरानी जताते हुए कहा, श्यह बचपन की फोटो है, और इस पर डेट ऑफ बर्थ 2005 लिखा है। यह 20 साल का लग रहा है? चीटिंग कर रहा है। फिर रजत ने उस शख्स से पूछा, श्तेरी सजा क्या है? इस पर रजत दलाल ने उसे पूरी तरह से एक्सपोज कर दिया और यह साबित कर दिया कि वह शख्स कोई असली बाबा नहीं, बल्कि एक धोखेबाज था जो साधु के नाम पर लोगों से झूठ बोलकर धोखा कर रहा था। रजत दलाल का यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है और उनके फैंस उनकी बहादुरी की तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, ओल्ड रजत बैक, वहीं दूसरे ने कहा, श्रजत भाई बैक इन फॉर्म। वहीं एक और ने लिखा, हिंदू शेर रजत भाई। फैंस का कहना है कि रजत ने सही किया और समाज में इस तरह के धोखेबाजों का पर्दाफाश करना जरूरी है। इस वीडियो ने एक बार फिर रजत दलाल को सुर्खियों में ला दिया है, और उनके फैंस ने उन्हें एक सच्चा और बहादुर इंसान करार दिया है।

कैंसर से जंग के बीच फिर अस्पताल पहुंची हिना खान, शेयर की ऐसी तस्वीर देख चिंता में पड़े फैंस

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस हिना खान इन दिनों ब्रेस्ट कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रही हैं और इसी कारण वह लगातार सुर्खियों में बनी रहती हैं। इसी बीच हाल ही में हिना ने अपने फैंस को अपनी हेल्थ को लेकर एक नया अपडेट दिया है, जिसे लेकर उनके फैंस काफी चिंतित हो गए हैं। दरअसल, हिना खान हाल ही में एक बार फिर अस्पताल पहुंची हैं और अस्पताल के बेड से एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वह अखबार के साथ लेटी हुई दिख रही हैं। हिना की इस तस्वीर को देखकर उनके फैंस को काफी चिंता हो रही है। तस्वीर में हिना अस्पताल के बेड पर लेटी हुई हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि वह किस वजह से अस्पताल आई हैं। क्या वह नॉर्मल रेडिएशन थेरेपी ले रही हैं, या उनकी तबीयत अचानक से बिगड़ गई है, यह अभी साफ नहीं है। बता दें, कुछ दिनों पहले कैंसर से जूझ चुकी एक्ट्रेस रोजलिन खान ने हिना पर कैंसर को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए थे। रोजलिन का कहना था कि हिना ने दावा किया था कि वह कैंसर की सर्जरी के बाद अपनी फैमिली को देखकर मुस्कुराईं, जबकि सर्जरी के बाद इंसान अपनी बॉडी को हिलाने तक में सक्षम नहीं होता। रोजलिन ने यह भी कहा था कि हिना जिस तरह से कई शोज में भाग ले रही हैं और इधर–उधर घूम रही हैं, वह कैंसर के इलाज की प्रक्रिया के बिल्कुल विपरीत है। रोजलिन ने हिना के कैंसर के इलाज और उनके व्यवहार पर सवाल उठाते हुए यह भी आरोप लगाया था कि हिना कैंसर को लेकर झूठ फैला रही हैं।

बाफ्टा अवॉर्ड्स में शामिल हुई राधिका आप्टे ने बाथरूम में किया ये काम, तस्वीरें देख फैंस हुए हैरान

एक्ट्रेस राधिका आप्टे ने सोशल मीडिया पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है, जो चर्चा का विषय बन गई है। इस तस्वीर में एक्ट्रेस ब्रेस्ट पंपिंग करती नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस की ये तस्वीर तब की है जब वो बाफ्टा अवॉर्ड्स में शामिल हुई थीं। आपको बता दें, मां बनने के दो महीने बाद राधिका बाफ्टा अवॉर्ड्स में शामिल हुईं और उन्होंने बताया कि नई मां बनना कितना मुश्किल होता है।

बाफ्टा में ब्रेस्ट पंपिंग करती दिखीं राधिका

राधिका की फिल्म शसिस्टर मिडनाइटश बाफ्टा के लिए नॉमिनेट हुई थी। इसलिए एक्ट्रेस वहां मौजूद थीं। जैसा कि सभी जानते हैं कि एक्ट्रेस दो महीने पहले ही मां बनी हैं, इसलिए बाफ्टा के दौरान वो अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ को एक साथ संभालती दिखीं। एक्ट्रेस ने एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वो एक हाथ से ब्रेस्ट पंपिंग करती दिख रही हैं और दूसरे हाथ में शैंपेन का गिलास थामे। आपको बता दें, एक्ट्रेस ने ये काम बाथरूम में किया। पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'और अब मेरी ठ।थ्ज। वास्तविकता (हंसते हुए चेहरे वाला इमोजी)। मुझे नताशा का शुक्रिया अदा करना है, जिन्होंने मुझे ठ।थ्ज। में शामिल होने का मौका दिया। उन्होंने मेरे ब्रेस्ट पंपिंग टाइमिंग के हिसाब से कार्यक्रम तय किया।' उन्होंने आगे कहा, वह न केवल दूध निकालने के लिए मेरे साथ वॉशरूम गईं, बल्कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह मेरे लिए शौचालय में शैंपेन लेकर आईं (हंसता हुआ चेहरा और लाल दिल वाला इमोजी)। नई मां बनना और काम करना बहुत मुश्किल है, इस तरह की देखभाल और संवेदनशीलता हमारे फिल्म उद्योग में दुर्लभ है और इसकी बहुत सराहना की जाती है।

महाशिवरात्रि पर भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए लगाएं भांग के पकौड़े का भोग, नोट करे आसान रेसिपी

शिवभक्तों को महाशिवरात्रि के पर्व को का बेसब्री से इंतजार रहता है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार भगवान शिव को भांग से बनी चीजें अति प्रिय होती हैं। इस शिवरात्रि पर आप भगवान शिव को प्रसन्न करना चाहते हैं, तो उनके लिए भोग में बनाएं भांग के क्रिस्पी टेस्टी पकौड़े। आइए आपको बताते हैं इसकी रेसिपी।

सनातन धर्म में महाशिवरात्रि का पर्व का विशेष महत्व माना जाता है। महाशिवरात्रि का पर्व भगवान शिव को समर्पित होता है। फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की त्रियोदशी तिथि को महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दिन शिव शक्ति का मिलन हुआ था। इस दिन भगवान शिव वैराग्य को त्यागकर माता पार्वती के संग शादी के बंधन में बंधे थे। इस दिन शिव भक्त उपवास रखते हैं और शिव मंदिर जाकर पूजा करते हैं। इस दिन आप भी भगवान शिव को प्रसन्न करना चाहते हैं, तो उनके लिए भोग में बनाएं भांग के क्रिस्पी टेस्टी पकौड़े। मान्यताओं के अनुसार भगवान शिव को भांग से बनी चीजें अति प्रिय होती हैं। महाशिवरात्रि के खास अवसर पर भगवान शंकर को भांग से बने पकौड़े का भोग जरुर लगाएं। आइए आपको रेपिसी बताते है।

भांग के पकौड़े बनाने के लिए जरूरी सामग्री

- 1 कप कुट्टू का आटा
- 1/2 चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- 1/2 चम्मच हल्दी पाउडर
- 1/2 चम्मच धनिया पाउडर
- 1/2 कप पालक
- 1 छोटा चम्मच भांग के पत्तों का पेस्ट
- 1/2 चम्मच अदरक लहसुव का पेस्ट
- 1 चुटकी हींग
- 1/2 चम्मच गरम मसाला
- सेंधा नमक स्वादानुसार
- तलने के लिए तेल

भांग पकौड़े बनाने की विधि

सबसे पहले आप एक कटोरे में कुट्टू का आटा, भांग का पेस्ट और सभी मसाले डालकर थोड़े से पानी की मदद से एक गाढ़ा बैटर तैयार कर लें। इसके बाद बर्तन में पालक डालकर बैटर को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद कड़ाही में तेल गर्म कर लें। अब आप इस मिश्रण के छोटे–छोटे भाग को तेल में डालकर पकौड़े गोल्डन ब्राउन होने तक फ्राई कर लें। तैयार पकौड़ों को आप किचन टॉवल या टिश्यू पर निकालकर रखें। फिर आप सबसे पहले भगवान शिव को पकौड़ों का भोग लगाकर पुदीने की चटनी या टमाटर की चटनी के साथ परिवार के सदस्यों को खाने के लिए दे सकते हैं।

अमरूद के पत्ते से बालों का झड़ना रोकें, पाएं घने और मजबूत बाल

आजकल बालों का झड़ना एक आम समस्या बन गई है, जो न केवल सुंदरता बल्कि आत्मविश्वास पर भी असर डालती है। लोग घने, काले और मजबूत बाल चाहते हैं, लेकिन अनहेल्दी लाइफस्टाइल, प्रदूषण, तनाव और केमिकल वाले उत्पादों के कारण बालों की सेहत बिगड़ने लगती है। महंगे शैंपू, तेल और ट्रीटमेंट अपनाने के बावजूद कोई खास फर्क नहीं दिखता। लेकिन क्या आप जानते हैं कि बालों की सेहत को सुधारने के लिए समाधान आपके घर के आसपास ही मौजूद है?

आयुर्वेद का असरदार उपायरू अमरूद के पत्ते

आयुर्वेद में कई ऐसे प्राकृतिक उपाय बताए गए हैं, जो बिना किसी साइड इफेक्ट के बालों को घना और मजबूत बना सकते हैं। इन्हीं में से एक है अमरूद के पत्तों का उपयोग। अमरूद के पत्तों में ऐसे पोषक तत्व होते हैं, जो बालों की जड़ों को मजबूत बनाते हैं और झड़ने की समस्या को कम करते हैं।

अमरूद के पत्तों के फायदे

अमरूद के पत्तों में विटामिन बी और सी प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, जो बालों को जड़ों से पोषण देते हैं। इनके एंटीऑक्सीडेंट और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण स्कैल्प में रक्त संचार को बढ़ाते हैं, जिससे बालों की ग्रोथ तेज होती है। इसके अलावा, ये पत्ते रूसी (डैंड्रफ) से भी बचाते हैं, जिससे बालों का असमय झड़ना कम हो जाता है।

अमरूद के पत्तों से बालों को फायदा कैसे पहुंचे?

यह उपाय बहुत ही सरल है, और आप इसे अपनी रोजमर्रा की हेयर केयर रूटीन में आसानी से शामिल कर सकते हैं।

अमरूद के पत्तों का टॉनिक

कुछ ताजे अमरूद के पत्तों को एक लीटर पानी में डालकर 15–20 मिनट तक उबालें। फिर इसे ठंडा होने दें और एक स्प्रे बोतल में भर लें। अब इस टॉनिक को बालों की जड़ों और स्कैल्प पर अच्छे से स्प्रे करें और हल्के हाथों से मसाज करें। एक घंटे बाद बालों को अच्छे से धो लें।

अमरूद के पत्तों का तेल मिश्रण

अमरूद के पत्तों को पीसकर उसमें थोड़ा नारियल तेल या एलोवेरा डालकर इस मिश्रण को बालों की जड़ों पर लगाएं। इसे 30–40 मिनट तक बालों में छोड़ने दें। अगर आप इस उपाय को हफ्ते में 2–3 बार अपनाते हैं, तो कुछ ही हफ्तों में फर्क देखेंगे। बालों का झड़ना कम होगा और बाल काले और घने बनेंगे।

आयुर्वेदिक डॉक्टर का सुझाव

अमरूद के पत्तों का उपयोग आयुर्वेद में बहुत फायदेमंद माना जाता है। हालांकि, इनका उपयोग करते समय हमें डॉक्टर की सलाह पर ध्यान देना चाहिए, ताकि सही तरीके से इसका फायदा लिया जा सके। अमरूद के पत्ते न केवल बालों को पोषण देते हैं, बल्कि इन्हें स्वस्थ और घना बनाने में भी मदद करते हैं। तो क्यों न इस प्राकृतिक उपाय को अपनाकर अपने बालों को सुंदर और मजबूत बनाया जाए।

घर पर ही गुलाब से करें फेशियल, मिलेगा गुलाबी सा निखार, फॉलो करें ये स्टेप्स

गुलाब स्किन के लिए सबसे अच्छा माना जाता है। अगर आप भी पिंक ग्लो पाना चाहते हैं, तो आप गुलाब फेशियल जरुर करें। घर पर ही गुलाब की मदद से फेशियल कर सकते हैं। आइए आपको बताते आसान स्टेप्स में फेशियल कैसे कर सकते हैं।

खराब लाइफस्टाइल के चलते चेहरे की रंगत कहीं न कहीं खो जाती है। भागदौड़ भारी जिंदगी में अपने स्किन केयर के लिए बिल्कुल भी समय नहीं होता है। चेहरे पर हर कोई प्राकृतिक रुप से ग्लो पाना चाहते हैं। महिलाएं चेहरे पर चमक पाने के लिए कई सारे महंगे–महंगे प्रोडक्ट इस्तेमाल करती है। हालांकि, नैचुरल ग्लो पाने के लिए आप प्राकृतिक चीजों का इस्तेमाल कर सकते हैं। यदि आपको भी गुलाब जैसा गुलाबी निखार चाहिए, तो आप घर पर ही गुलाब फेशियल जरुर करें।

चेहरे को साफ करें

गुलाब से फेस क्लींजर को बनाना बेहद आसान है। इसके यूज करने से आपको बस गुलाब एसेंशियल ऑयल, दही और एक चम्मच बेसन चाहिए। इन सभी चीजों को एक साथ मिला लें और क्लींजर को अपने चेहरे के हर कोने पर लगाएं। इसके बाद आप अपने चेहरे पर करीब 10 मिनट तक धीरे–धीरे मसाज करें। मसाज के बाद चेहरे को पानी से धो लें।

स्टीम जरुर लें

हमारी स्किन पर गंदगी और धूल को जरुर जमा होती है। इसको साफ करने के लिए स्टीमर में पानी गर्म करें और इसमें गुलाब की कुछ पंखुड़ी डालें। फिर अपने चेहरे को भाप की सीध में रखकर और पूरे चेहरे पर भाप लें। 5–7 मिनट के बाद ब्लैकहेड पीलर को माथे, नाक और ठोड़ी पर चलाएं, ताकी अगर ब्लैकहेड होंगे तो आसानी से निकाल जाएंगे।

स्क्रबिंग करें

स्क्रब बनाने के लिए सबसे पहले आप एक बड़े चम्मच गुलाब की पंखुड़ियों का पाउडर बना लें। अब इसे एक बड़े चम्मच चीनी, गुलाब एसेंशियल ऑयल की कुछ बूंदें और गुलाब जल के साथ मिलाएं। फिर आप इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं और धीरे–धीरे रब करें। स्क्रब करने के बाद आप चेहरे को धो लें।

गुलाब से बनाएं फेस पैक

इसके लिए गुलाब की पंखुड़ियों का पाउडर बनाएं और अब गुलाब जल और एक चम्मच कच्चे दूध को एक साथ मिलाएं। फिर इसे अपने चेहरे पर जरुर लगाएं। फेस पैक सूखने के बाद ठंडे पानी से चेहरा धो लें।

मेकअप के बाद भी चेहरा डार्क क्यों दिखता है? जानिए इसके कारण और आसान टिप्स!

मेकअप के बाद अगर आपका चेहरा डार्क नजर आता है, तो इसका कारण कुछ गलतियां हो सकती हैं। हम में से कई लोग मेकअप करने के लिए नए प्रोडक्ट्स खरीदते हैं और ऑनलाइन वीडियो देखकर उन्हें इस्तेमाल करते हैं, लेकिन कम जानकारी के कारण हम कई बार कुछ महत्वपूर्ण स्टेप्स को सही तरीके से नहीं अपनाते। तो आइये, जानते हैं कि मेकअप के बाद भी चेहरा डार्क क्यों दिख सकता है और इसके लिए क्या उपाय हैं।

सही पैच टेस्ट न करना

मेकअप या स्किनकेयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट करना बेहद जरूरी है। यह टेस्ट यह सुनिश्चित करता है कि प्रोडक्ट आपकी स्किन पर सही तरीके से काम करेगा या नहीं। बिना पैच टेस्ट के कुछ प्रोडक्ट्स आपकी स्किन को सूखा या डार्क बना सकते हैं। इसलिए, हमेशा एक्सपर्ट से सलाह लें और पैच टेस्ट जरूर करें।

गलत मेकअप टोन का चयन

मेकअप करते समय अपने चेहरे के रंग और मेकअप के प्रोडक्ट्स के बीच सही टोन का चुनाव करें। कई बार गलत फाउंडेशन या कंसीलर का इस्तेमाल चेहरे को डार्क बना सकता है। हमेशा अपने स्किन टोन के अनुसार प्रोडक्ट्स का चयन करें और उसे सही तरीके से ब्लेंड करें।

कलर करेक्शन न करना

आपके चेहरे पर पिगमेंटेशन या डार्क स्पॉट्स हो सकते हैं, जिन्हें ठीक करने के लिए कलर करेक्शन जरूरी है। ऑरेंज या पीच कलर के कंसीलर का इस्तेमाल करके डार्क स्पॉट्स को न्यूट्रलाइज करें। यह कदम आपकी स्किन को फ्लॉलेस दिखाने में मदद करेगा।

ब्लेंडिंग का सही तरीका न अपनाना

मेकअप में सबसे अहम चीज है प्रोडक्ट्स की सही ब्लेंडिंग। अगर आप सही तरीके से मेकअप को ब्लेंड नहीं करते, तो आपका मेकअप डार्क या पैच जैसा नजर आ सकता है। इसके लिए ब्यूटी ब्लेंडर का इस्तेमाल करें। ब्यूटी ब्लेंडर को पानी से गीला करें और फिर हलके हाथों से मेकअप को अच्छे से ब्लेंड करें। इससे मेकअप की फिनिशिंग परफेक्ट और नैचरल लगेगी।

गलत बेस प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल

अगर आप शुरुआत कर रहे हैं, तो बेज, ब्राउन और डार्क टोन के मेकअप प्रोडक्ट्स से बचें। इनका इस्तेमाल करने से आपके चेहरे पर एक डार्क या भारी लुक आ सकता है। इसके बजाय हल्के और नैचरल टोन के प्रोडक्ट्स का चयन करें।

इन मेकअप टिप्स को फॉलो करके आप अपने चेहरे को फ्लॉलेस और ब्राइट बना सकते हैं। मेकअप करते समय सही स्टेप्स और प्रोडक्ट्स का चयन करें, ताकि आपका चेहरा मेकअप के बाद भी ताजगी और चमक से भरा रहे।

संक्षिप्त

सरकार, आरबीआई महंगाई को काबू में लाने, वृद्धि को गति देने के लिए मिलकर कर रहे काम : सीतारमण

मुंबई, एजेंसी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक महंगाई को काबू में लाने और आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। सीतारमण ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि मुद्रास्फीति कम होकर लगभग चार प्रतिशत के पास आ गई है। इसके परिणामस्वरूप रिजर्व बैंक लगभग पांच साल में पहली बार नीतिगत दर रेपो में 0.25 प्रतिशत की कटौती कर सका। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति प्रबंधन में आयातित मुद्रास्फीति से संबंधित पहलुओं पर काम भी शामिल है। इस बीच, सीतारमण ने मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में चुनिंदा परियोजनाओं के घर खरीदारों को चाबियां सौंपी। लंबे समय से अटकी इन आवासीय परियोजनाओं को 'किफायती और मध्यम आय वाले आवास के लिए विशेष व्यवस्था (स्वामी एक)निवेश कोष' के तहत पूरा किया गया है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह 50,000 घरों के पूरा होने का प्रतीक है। अवंत हिलवेज, विजन हाइट्स और शुभम ट्राइडेंट सहित अन्य परियोजनाओं के घर खरीदारों को कार्यक्रम में अपने–अपने घरों की चाबियां प्राप्त हुईं। वर्ष 2019 में स्थापित और भारतीय स्टेट बैंक समूह की कंपनी एसबीआई वेंचर्स लिमिटेड द्वारा प्रबंधित, स्वामी फंड का प्रायोजक वित्त मंत्रालय है।

अदाणी समूह देशभर में 20 स्कूलों की स्थापना के लिए 2,000 करोड़ रुपये का योगदान देगा

नयी दिल्ली, एजेंसी। अदाणी समूह ने देशभर में कम से कम 20 स्कूलों के निर्माण के लिए 2,000 करोड़ रुपये का दान देने की घोषणा की। समूह के संस्थापक गौतम अदाणी के छोटे बेटे की शादी के समय समूह ने परमार्थ कार्यों पर 10,000 करोड़ रुपये खर्च करने की घोषणा की थी। समूह ने पहले अस्पतालों के निर्माण के लिए 6,000 करोड़ रुपये और कौशल विकास के लिए 2,000 करोड़ रुपये देने की घोषणा की थी। गौतम अदाणी

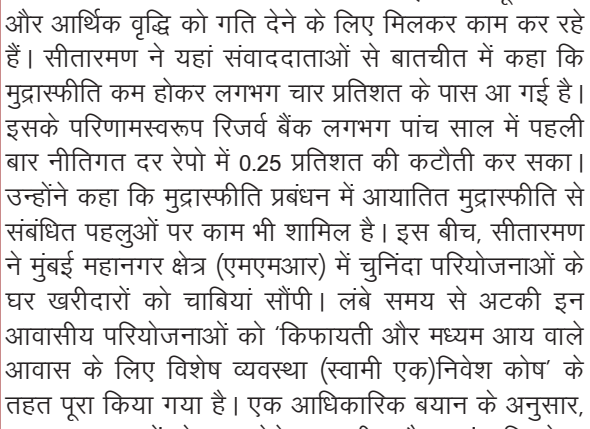

के नेतृत्व वाले समूह की परमार्थ इकाई अदाणी फाउंडेशन ने ''देशभर में शिक्षा के मंदिर स्थापित करने के लिए निजी के–12 शिक्षा में वैश्विक अग्रणी जेम्स एजुकेशन के साथ गठजोड़ किया है।' फाउंडेशन ने बयान में कहा, ''अदाणी परिवार से 2,000 करोड़ रुपये के शुरुआती योगदान के साथ साझेदारी समाज के सभी वर्गों के लोगों के लिए विश्वस्तरीय शिक्षा और सीखने के बुनियादी ढांचे को किफायती बनाने को प्राथमिकता देगी।'' इस महीने की शुरुआत में, अदाणी ने अपने छोटे बेटे जीत की शादी के समय सामाजिक कार्यों पर 10,000 करोड़ रुपये खर्च करने की प्रतिबद्धता जताई थी। अदाणी फाउंडेशन फिलहाल 19 राज्यों के 6,769 गांवों में काम करता है।

बाजार में उतार–चढ़ाव के बाद सपाट क्लोजिंग; सेंसेक्स 29 अंक टूटा, निफ्टी 22950 से नीचे

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और कंपनियों की आय में मंदी के कारण निवेशकों की धारणा प्रभावित होने से मंगलवार को प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी सपाट बंद हुए। सुबह से बाजार में जारी कमजोरी के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 29.47 अंक या 0.04 प्रतिशत गिरकर 75,967.39 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 465.85 अंक या 0.61 प्रतिशत गिरकर 75,531.01 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 14.20 अंक या 0.06 प्रतिशत गिरकर 22,945.30 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के टॉप लूजर्स और टॉप गेनर्स शेयर कौन रहे?

सेंसेक्स में शामिल शेयरों में इंडसइंड बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, हिंदुस्तान यूनिलीवर, सन फार्मा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईटीसी और एशियन पेंट्स सबसे ज्यादा गिरावट में रहे। एनटीपीसी, जोमैटो, टेक महिंद्रा, पावर ग्रिड, कोटक महिंद्रा बैंक और एचसीएल टेक के शेयरों में तेजी रही। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 3,937.83 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी बेची।

बाजार में विदेशी बिकवाली की चिंता बरकरार

स्टॉक्सबॉक्स के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक, चार्टर्ड मार्केट टेक्नीशियन, सीएफटीई, अमेय रणदिवे ने कहा, ष्मंगलवार को भारतीय ब्लू–चिप इक्विटी सूचकांक, सेंसेक्स और निफ्टी–50, मामूली गिरावट के साथ बंद हुए, जिसका मुख्य कारण आय में मंदी और चल रही विदेशी बिकवाली को लेकर चिंता थी, जिससे बाजार की धारणा प्रभावित हुई।ष एशियाई बाजारों में सियोल, टोक्यो और हांगकांग सकारात्मक दायरे में बंद हुए, जबकि शंघाई में गिरावट रही। यूरोपीय बाजार अधिकतर गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। सोमवार को श्प्रेसिडेंशियल डेश के मौके पर अमेरिकी बाजार बंद रहे।

ब्रेंड क्रूड में 0.73ः की बढ़त

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.73 प्रतिशत बढ़कर 75.77 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। सोमवार को सेंसेक्स 57.65 अंक या 0.08 प्रतिशत चढ़कर 75,996.86 पर बंद हुआ, जिससे आठ दिनों से जारी गिरावट का सिलसिला थम गया था। निफ्टी 30.25 अंक या 0.13 प्रतिशत चढ़कर 22,959.50 पर पहुंच गया था।

कल से होगी चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत, भारत की नजरें 12 साल का खिताबी सूखा समाप्त करने पर

दुबई, एजेंसी। दुनिया की शीर्ष आठ टीमों के बीच बुधवार से चौंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत होने जा रही है। आठ साल बाद इस टूर्नामेंट का आयोजन हो रहा है। दिलचस्प बात यह है कि इसका आयोजन हाइब्रिड मॉडल की तर्ज पर होगा जिसमें इसके मुकाबले पाकिस्तान और दुबई में खेले जाएंगे। भारत ने चौंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की यात्रा करने से इन्कार कर दिया था जो टूर्नामेंट का मेजबान है जिसके बाद आईसीसी ने भारत के मुकाबले दुबई में कराने का फैसला किया था। चौंपियंस ट्रॉफी के लिए आठ टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप ए में भारत, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश हैं, जबकि ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, अफगानिस्तान, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया हैं। अपने–अपने ग्रुप में शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी और दो टीमों के बीच नौ मार्च को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। भारत अगर टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में पहुंचने में सफल रहा तो फाइनल मैच दुबई में ही आयोजित होगा। भारत के फाइनल में नहीं पहुंचने की स्थिति में यह लाहौर में खेला जाएगा।

आईसीसी टूर्नामेंट में अच्छा रहा है भारत का प्रदर्शन

भारत का पिछले कुछ समय से आईसीसी टूर्नामेंट में प्रदर्शन अच्छा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि टीम इंडिया ने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी20 विश्व कप का खिताब जीता था और अब उसके पास छह महीने के अंदर दूसरा आईसीसी खिताब जीतने का मौका रहेगा। भारतीय टीम पिछली बार विजेता बनने से चूक गई थी और उसे फाइनल में पाकिस्तान से हार का सामना करना पड़ा था। भारत ने आखिरी बार 2013 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में चौंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था और अब 12 साल बाद टीम की नजरें एक बार फिर इस खिताब को अपने नाम करने पर टिकी होंगी।

रोहित–कोहली पर होंगी नजरें

टीम समीकरणों के अलावा खिलाड़ियों पर भी नजरें होंगी जिनमें पहला नाम रोहित शर्मा और विराट कोहली का है। आधुनिक क्रिकेट के दोनों दिग्गज अपने करियर के आखिरी पड़ाव पर हैं और जीत के साथ विदा लेना चाहेंगे। भारतीय वनडे टीम में चौंपियंस

ट्रॉफी के बाद रोहित और कोहली की जगह नहीं दिखती। यहां खराब खेलने पर टेस्ट क्रिकेट में भी उनके भविष्य पर असर पड़ सकता है। वहीं चौंपियंस ट्रॉफी में नाकामी की गाज कोच गौतम गंभीर पर भी गिर सकती है। इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में अच्छे प्रदर्शन से गंभीर को क्षणिक राहत भले ही मिल गई हो, लेकिन न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार को इतनी जल्दी भुलाया नहीं जा सकता। ऐसे में आईसीसी खिताब उनके लिए बड़ा सहारा बन सकता है।

भारत को दबाव से बचना होगा

भारतीय टीम ने भी महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में 2013 चौंपियंस ट्रॉफी के बाद कोई वनडे खिताब नहीं जीता है। भारतीय टीम खिताब की प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी लेकिन एक सत्र या एक पल का खराब प्रदर्शन सारे समीकरण बिगाड़ सकता है। जैसा 2023 विश्व कप फाइनल में हुआ जब पूरे टूर्नामेंट में उम्दा प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम आखिर में दबाव में आ गई।

पाकिस्तान–न्यूजीलैंड मैच से होगी शुरुआत

भारत के अलावा बात करें तो चौंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत गत चौंपियन पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच मैच से होगी। इसके बाद गुरुवार को भारत का सामना बांग्लादेश से होगा। सभी की नजरें 23 फरवरी को दुबई में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले पर टिकी होंगी जो इस टूर्नामेंट का महामुकाबला होगा। आईसीसी टूर्नामेंट में हमेशा ही भारत का पलड़ा पाकिस्तान पर भारी रहता है, लेकिन भारतीय टीम 2017 की कड़वी यादों को दिमाग में रखना चाहेगी और पाकिस्तान से उस हार का बदला चुकता करने उतरेगी।

ऑस्ट्रेलिया–इंग्लैंड के लिए बड़ी चुनौती

वनडे विश्व कप की चौंपियन ऑस्ट्रेलिया टीम प्रमुख खिलाड़ियों की चोट से परेशान है। टीम अपने प्रमुख तेज गेंदबाजों पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड के बिना आई है, लेकिन उसके पास वनडे प्रारूप की जरूरतों पर खरे उतरने वाले बल्लेबाज हैं। इंग्लैंड के कुछ प्रमुख खिलाड़ियों पर बढ़ती उम्र और खराब फॉर्म हावी है, लेकिन जोस बटलर, जो रूट और लियाम लिविंगस्टोन से एक आखिरी बार उसी चिर परिचित प्रदर्शन की उम्मीद की जा सकती है या हैरी ब्रूक और बेन डकेट जैसे युवा खिलाड़ी नया रास्ता बना सकते हैं।

न्यूजीलैंड को पहले खिताब की तलाश

न्यूजीलैंड भी ट्रेंट बोल्ट और टिम साउदी के संन्यास के बाद नए खिलाड़ियों के साथ उतरी है। केन विलियमसन ट्रंपकार्ड हैं और उम्मीद है कि वह न्यूजीलैंड को पहला आईसीसी खिताब दिला सकेंगे। दक्षिण अफ्रीका ने 1998 में आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी जीती, लेकिन हाल ही में कोई खिताब नहीं जीत पाई और इस कमी को पूरा करना चाहेगी। अफगानिस्तान की जीत को अब उलटफेर नहीं माना जाता है। राशिद खान, आईसीसी वर्ष के सर्वश्रेष्ठ वनडे क्रिकेटर रहे अजमतुल्लाह उमरजई और रहमानुल्लाह गुरबाज जैसे मैच विनर उसके पास हैं। दूसरी ओर बांग्लादेश 2007 वनडे विश्व कप में उलटफेर कर चुका है और उसे दोहराना चाहेगा।

टूर्नामेंट शुरू होने के एक दिन पहले घर लौटे भारतीय गेंदबाजी कोच मोर्कल, पिता का हुआ निधन

दुबई, एजेंसी। भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल चौंपियंस ट्रॉफी से एक दिन पहले अचानक से घर लौट गए हैं। दरअसल, मोर्कल के पिता का निधन हो गया है जिस कारण उन्हें टूर्नामेंट के बीच से स्वदेश लौटना पड़ा है। भारत चौंपियंस ट्रॉफी में अपने अभियान की शुरुआत गुरुवार को बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले से करेगा। भारत अपने सभी मुकाबले दुबई में खेलेगा क्योंकि उसने पाकिस्तान की यात्रा करने से इन्कार कर दिया था।

पिता के काफी करीब थे मोर्कल

मोर्कल को पारिवारिक इमरजेंसी के कारण अपने घर लौटना पड़ा है। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण को गाइड करने के लिए मोर्कल की भूमिका अहम है। टीम में पहले से ही स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह शामिल नहीं हैं। मोर्कल अपने पिता के काफी करीब थे। उन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के एक वीडियो में बताया था कि भारत पहुंचने के बाद उन्होंने सबसे पहले अपने पिता को ही फोन किया था।

भारत ने शुरू की तैयारी

मोर्कल भले ही स्वदेश लौट गए हैं, लेकिन भारतीय टीम की नजरें अपने लक्ष्य पर हैं। भारत ने चौंपियंस ट्रॉफी के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं और दुबई पहुंचने पर जमकर अभ्यास किया है। खिलाड़ियों ने अभ्यास सत्र में समय बिताया और अपने कौशल पर काम किया। भारत के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल की फॉर्म काफी अहम है, ऐसे में उन्होंने भी जमकर पसीना बहाया और दूसरे अभ्यास सत्र के दौरान बड़े शॉट लगाने पर ध्यान केंद्रित किया।

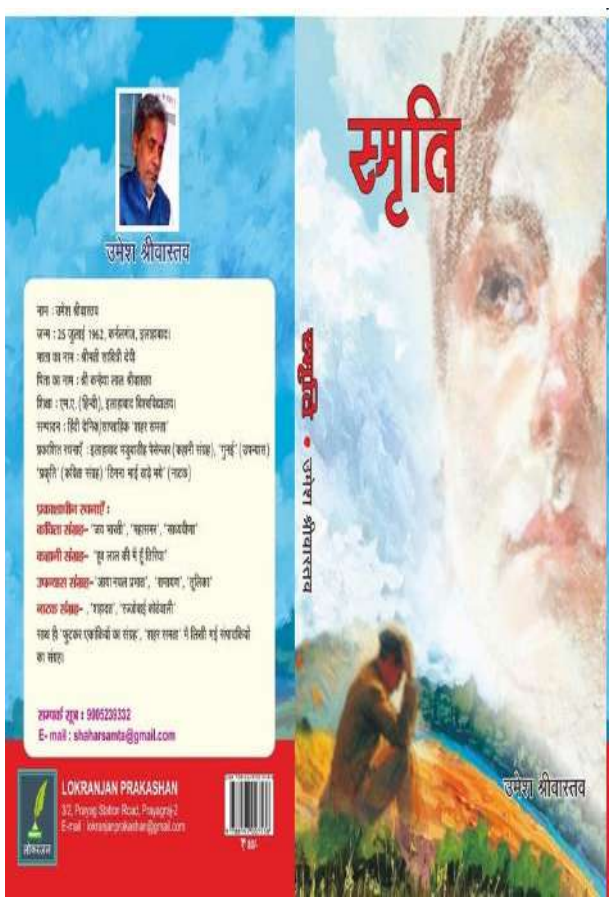

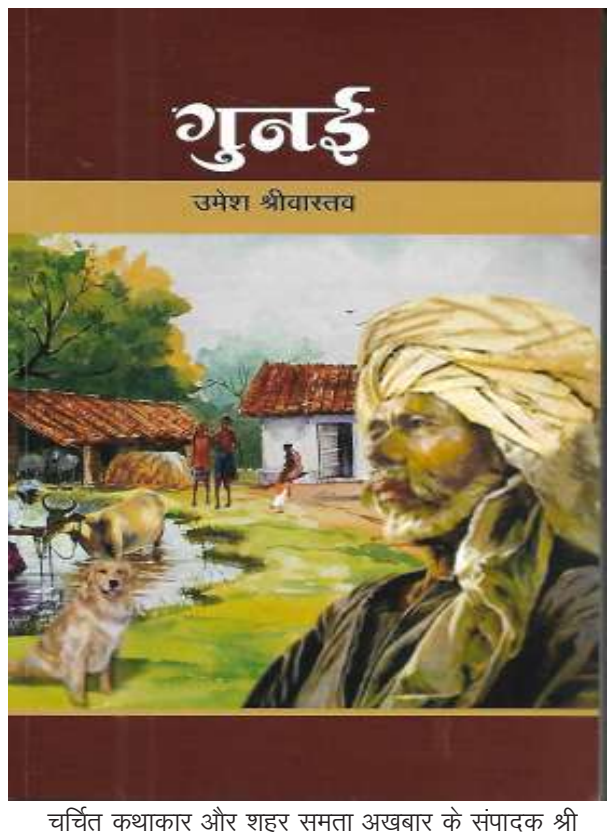

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

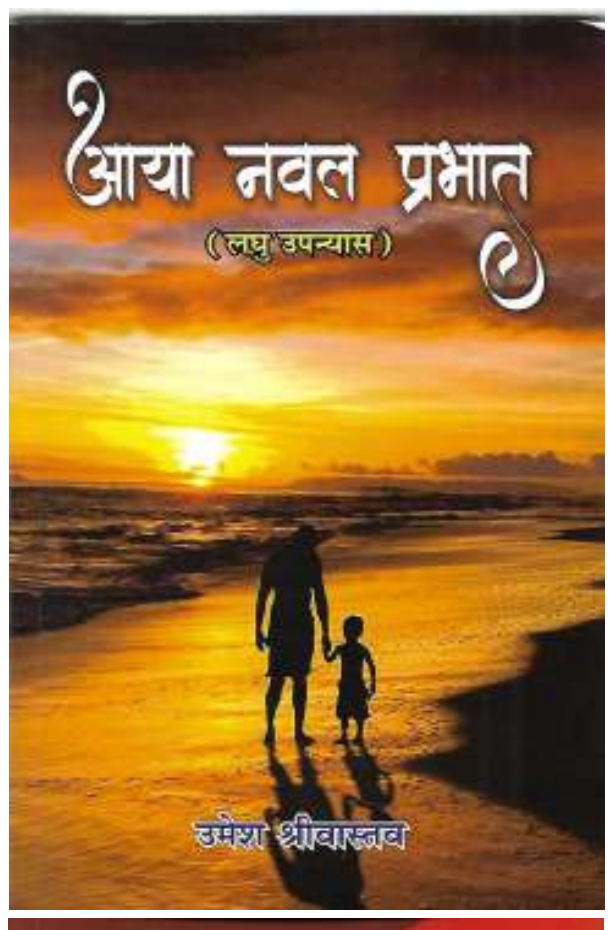

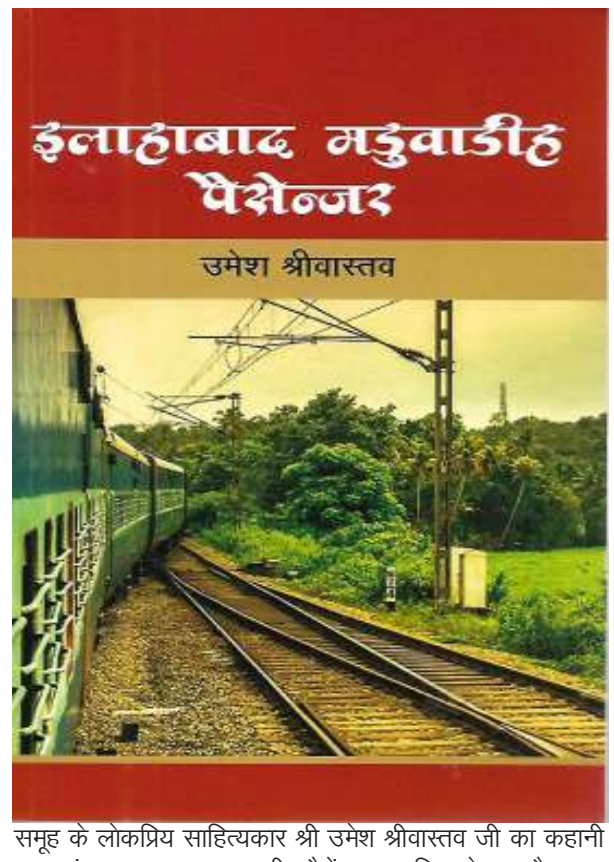

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

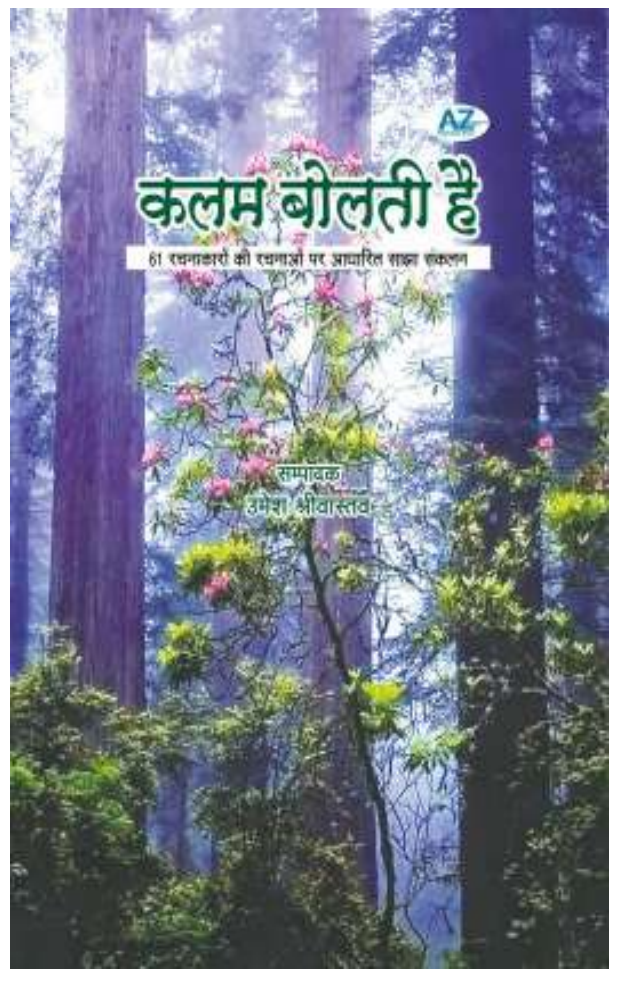

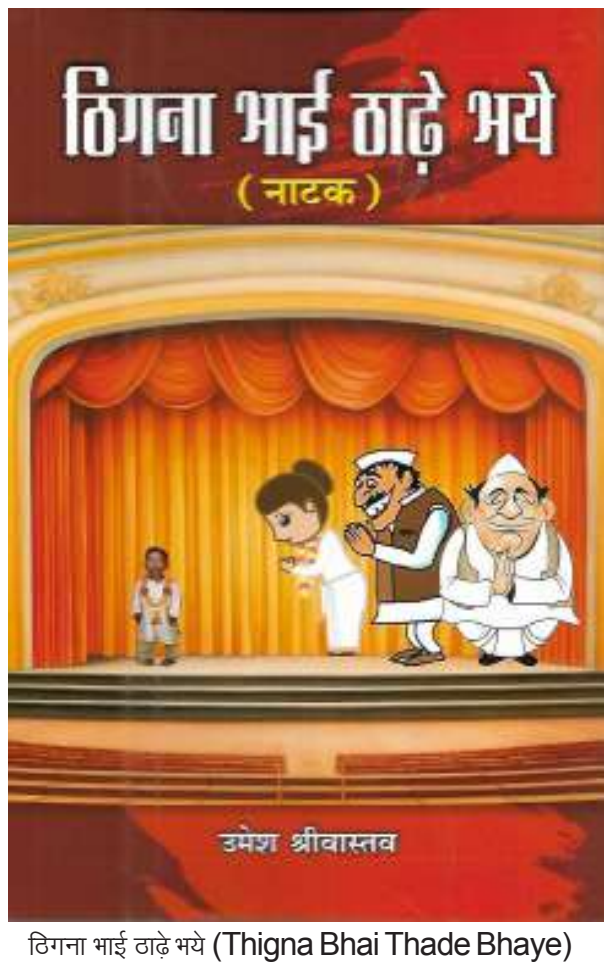

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

नाइजीरिया में विद्रोहियों को निशाना बनाकर किए गए सैन्य हवाई हमले में कई नागरिकों की मौत

अबुजा, एजेंसी। नाइजीरिया में विद्रोहियों द्वारा पुलिस को निशाना बना कर हमले किए जाने के बाद सैन्य बलों ने विद्रोहियों पर हमले किए जिसमें कई आम नागरिक मारे गए। नाइजीरियाई वायु सेना ने कटसीना राज्य के सफाना क्षेत्र में मारे गए नागरिकों की संख्या का खुलासा नहीं किया लेकिन प्रवक्ता ओलुसोला अकिनबोयेवा ने एक बयान में कहा कि हताहतों की संख्या पता लगाई जा रही है। अकिनबोयेवा ने नागरिकों के हताहत होने की खबर को ''बेहद परेशान करने

वाला'' बताया और कहा कि वायु सेना ने पुलिस पर विद्रोहियों के हमले के जवाब में यह हमला किया है। वहीं अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार समूह 'एमनेस्टी इंटरनेशनल' ने एक बयान में कहा कि हवाई हमले में कम से कम 10 लोग मारे गए। मानवाधिकार समूह ने हवाई हमले को नाइजीरियाई सेना की ओर से मानवाधिकारों के उल्लंघन की कड़ी में नयी घटना बताया और सरकार से इसकी स्वतंत्र जांच कराने का आग्रह किया। इस वर्ष यह दूसरी बार है जब नाइजीरिया के अशांत उत्तर–पश्चिमी क्षेत्र में सैन्य हवाई हमले में आम नागरिक मारे गए। नाइजीरिया की सेना अक्सर देश के उत्तरी हिस्से में अस्थिरता पैदा करने वाले चरमपंथियों का खात्मा करने के लिए हवाई हमले करती है। लागोस के 'एसबीएम इंटेलिजेंस रिसर्च फर्म' के अनुसार 2017 से अब तक हवाई हमलों में करीब 400 नागरिक मारे गए हैं।

जर्मन राष्ट्रपति का X अकाउंट हुआ हैक, लगा दी बिहार सरकार की प्रोफाइल फोटो

जर्मन राष्ट्रपति फ्रैंक–वाल्टर स्टीनमीयर का आधिकारिक एक्स (औपचारिक रूप से ट्विटर) अकाउंट कथित तौर पर हैक कर लिया गया था। इसे हैकर्स ने राष्ट्रपति के अकाउंट की प्रोफाइल फोटो को बिहार सरकार के जल संसाधन विभाग की फोटो से बदल दिया। घटना के संबंध में जर्मन सरकार की ओर से कोई आधिकारिक संचार नहीं हुआ है, लेकिन मीडिया रिपोर्टों से पता चला है कि पहले हैकर्स ने खाते को तत्कालीन नाजी पार्टी के प्रमुख एडॉल्फ हिटलर के सत्यापित पृष्ठ जैसा बना दिया था। कथित हैक को सबसे पहले कई एक्स उपयोगकर्ताओं द्वारा चिह्नित किया गया था जब खाते का उपयोगकर्ता नाम /adolf-gov में बदल दिया गया था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के ''मेक अमेरिका ग्रेट अगेन'' अभियान से प्रेरित होकर इसका विवरण बदलकर मेक जर्मनी ग्रेट अगेन कर दिया गया। इस अकाउंट के 57 हजार फॉलोअर्स थे। इसके बायो में लिखा गया था जर्मनी को फिर से महान बनाएं। विकेंद्रीकरण वह है जो मुझे अपनी योजनाओं को लागू करने में मदद करेगा। ब्रिक्स न्यूज के सत्यापित एक्स अकाउंट ने पोस्ट किया कि यह अकाउंट जर्मन राष्ट्रपति का है और हैक कर लिया गया है। ब्रिक्स न्यूज़ ने एक स्क्रीनशॉट भी साझा किया जिसमें अकाउंट का असली यूजरनेम /FrankWalterGER और एक अलग डिटेल्स दिख रही थीं। इसके बाद, अकाउंट को अस्थायी रूप से सस्पेंड कर दिया गया लेकिन बाद में यह फिर से सक्रिय हो गया और इसका नाम बदलकर बिहार सरकार के जल संसाधन विभाग का कर दिया गया, हालांकि यूजरनेम अभी भी /FrankWalterGER ही बना रहा।

पुलिस वैन पर आतंकी हमला, जवाबी कार्रवाई में दहशतगर्द ढेर, अशांत उत्तर–पश्चिम में चार सैनिक मारे गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक मोबाइल पुलिस वैन पर हथगोले से हमला किया गया। हमले में एक आतंकवादी मारा गया और एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। मंगलवार को एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। हमला कोहाट जिले के शादीपुर इलाके में हुआ। हमले में एक पुलिसकर्मी घायल हो गया, जबकि जवाबी गोलीबारी में एक आतंकवादी मारा गया। रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि हमले के बाद कई आतंकवादियों को गिरफ्तार भी किया गया। गिरफ्तार आतंकवादियों के पास से हथगोले और अन्य हथियार बरामद किए गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि हमले के पीछे आतंकवादियों के बारे में और खुफिया जानकारी हासिल करने के लिए तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

अशांत उत्तर–पश्चिम में चार पाकिस्तानी सैनिक मारे गए

इस बीच एक अन्य घटना में आतंकवादियों ने रात में सुरक्षा बलों पर घात लगाकर हमला किया, जो देश के अशांत उत्तर–पश्चिम में सहायता ट्रकों पर पहले हुए हमले का जवाब दे रहे थे। इस दौरान भारी गोलीबारी हुई, जिसमें चार सैनिक मारे गए। हमला सोमवार को सहायता ट्रकों के काफिले पर हमले का जवाब देने के लिए अतिरिक्त बल भेजे जाने के कुछ घंटों बाद हुआ। ट्रकों पर हमले में अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कुर्रम जिले में एक ड्राइवर और सुरक्षा अधिकारी मारे गए थे।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

नाटो में अब भारत करेगा अमेरिका की कमी पूरी, सेना भेजने की अपील की गई

नाटो देश ने भारत की ताकत को स्वीकार कर लिया है। ग्रीस ने भारत से अपील की है कि भारतीय सेना और नेवी अब ग्लोबल लेवल पर ज्यादा सक्रिय भूमिका निभाए। ऐसे में ये सवाल उठने लगे हैं कि क्या भारत अब सुपर पावर बनने की ओर बढ़ रहा है? दरअसल, दुनिया में सत्ता संतुलन लगातार बदल रहा है। अमेरिका, रूस और चीन जैसी महाशक्तियों के बीच अब भारत नए दावेदारी के साथ उभर रहा है। हाल ही में ग्रीस के रक्षा मंत्री निकोश डियास भारत आए और उन्होंने एक ऐसा बयान दिया जिसने सभी का ध्यान खींच लिया। उन्होंने कहा कि भारत अब एक बड़ी ताकत बन चुका है। उसे ग्लोबल सिक्योरिटी में शामिल किया जाना चाहिए। बड़ी भूमिका निभानी चाहिए, खास तौर पर मेडिटरेनियन सी और रेड सी के क्षेत्र में जहां दुनिया का 60 से 70: व्यापार होता है। मेडिटरेनियन और रेड सी दुनिया के सबसे अहम व्यापारिक समुद्री रास्तों में से एक है। 60 से 70 : इंटरनेशनल ट्रेड इसी रूट से होकर गुजरता है। अमेरिका, रूस और चीन पहले ही यहां अपनी नेवल फोर्स तैनात कर चुके हैं। मिलिट्री बेस स्थापित कर यह देश अपनी ताकत बढ़ा रहे हैं। अमेरिका, रूस और चीन की मौजूदगी यहां पहले से ही है। अमेरिका और ब्रिटेन का यहां नाटो के तहत कई मिलिट्री बेस मौजूद है। रूस सीरिया में अपनी मजबूत स्थिति बन चुका है। चीन जिबूती में अपनी नेवल बेस बना चुका है और इस क्षेत्र में तेजी से बढ़ रहा है। चर्चा होने लगी है कि ट्रंप अपने फैसलों से नाटो गठबंधन को खत्म कर रहे हैं। इसके साथ ही बुधवार को दुबई में ट्रंप और पुतिन की मुलाकात से यूक्रेन को बाहर रखने पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। माना जा रहा है कि ट्रंप रूस के कब्जे वाले क्षेत्रों को मान्यता देकर यूक्रेन को खाली हाथ रख सकते हैं। यही वजह है कि यूक्रेन बेहद डरा हुआ है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका और बाइडन प्रशासन ने कभी भी उनके देश को उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के एक सदस्य के तौर पर नहीं देखा। जेलेंस्की ने शुक्रवार को म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में यह बात कही। वह बाद में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस से मुलाकात कर सकते हैं। विभिन्न पर्यवेक्षकों विशेष रूप से यूरोपीय पर्यवेक्षकों को उम्मीद है कि वेंस इस सप्ताह ट्रंप और रूसी नेता व्लादिमीर पुतिन के बीच फोन पर हुई बातचीत के बाद बातचीत के माध्यम से युद्ध के समाधान के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विचारों पर कुछ प्रकाश डालेंगे।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं फिलीपींस की उपराष्ट्रपति सारा डुटेर्टे, महाभियोग को रद्द करने की मांग की

मनीला। महाभियोग का सामना कर रहीं फिलीपींस की उपराष्ट्रपति सारा डुटेर्टे सुप्रीम कोर्ट पहुंची हैं। उन्होंने कोर्ट से महाभियोग को रद्द करने और सीनेट में होने वाली सुनवाई को रोकने की मांग की है। पांच फरवरी को राष्ट्रपति फर्डिनांड मार्कोस जूनियर की हत्या की साजिश रचने, बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार में शामिल रहने और विवादित दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस की सेना के खिलाफ चीन की आक्रामक कार्रवाई की निंदा करने में विफल रहने के आरोप में प्रतिनिधि सभा के सांसदों ने महाभियोग लगाया था। उपराष्ट्रपति सारा डुटेर्टे ने अपने वकीलों के जरिये 15 सदस्यीय सुप्रीम कोर्ट से महाभियोग को रद्द करने और मुकदमा रोकने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह दोषपूर्ण और सांविधानिक तौर पर कमजोर और गलत है। डुटेर्टे के वकील ने बताया कि उपराष्ट्रपति के खिलाफ शिकायत को इतनी जल्दी सीनेट को भेज दिया गया कि कई सांसद हस्ताक्षर करने से पहले उसे पढ़ ही नहीं सके। उन्होंने कहा कि यह सब डुटेर्टे को 2028 का राष्ट्रपति चुनाव लड़ने से रोकने के लिए जा रहा है। यह एक राजनीतिक उत्पीड़न है। सदन के सांसदों का पर्याप्त समर्थन मिलने के बाद महाभियोग की शिकायत को सीनेट को भेजने का आदेश दिया गया, जो जून में एक महाभियोग न्यायाधिकरण के रूप में कार्य करेगी और उपराष्ट्रपति के खिलाफ मुकदमा चलाएगी। इसके बाद पह सार्वजनिक पद पर नहीं रह सकेंगीं। इससे पहले 23 नवंबर को उपराष्ट्रपति सारा डुटेर्टे ने कहा था कि मैंने किसी से कहा है कि अगर उनकी (दुतेर्ते) हत्या हो जाती है तो वह तब तक न रुके, जब तक राष्ट्रपति फर्दिनांद मार्कोस जूनियर, उनकी पत्नी लीजा अरनेटा और प्रतिनिधि सभा के स्पीकर मार्टिन रोमुअलडेज को न मार दिया जाए।श हालांकि बाद में उन्होंने सफाई दी थी कि उन्होंने राष्ट्रपति को कोई असल धमकी नहीं दी थी, बल्कि उन्होंने सिर्फ अपनी भावनाएं जाहिर की थी क्योंकि खुद उनकी जान के लिए खतरा है। सारा डुटेर्टे और राष्ट्रपति फार्दिनांद मार्कोस जूनियर के बीच बीते कई महीनों से तनातनी चल रही है और पिछले साल जून में भी सारा डुटेर्टे ने राष्ट्रपति रोड्रिगो डुटेर्टे की कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था।

अब ये देश बनेगा अवैध प्रवासियों का नया ठिकाना ? ट्रंप ने अपने यहां से निकाला तो भारतीयों के लिए राष्ट्रपति ने फैलाई बाहें

अमेरिका के नवर्निवाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वो अमेरिका में रह रहे सभी अवैध अप्रवासियों को बाहर निकाल देंगे। एक इंटरव्यू में उन्होंने अपने अगले कार्यकाल का खाका पेश किया। इसमें उन्होंने कई बड़े ऐलान किए हैं। इसी

कदम के तहत भारतीय अवैध प्रवासियों का तीसरा जत्था भारत बहुत चुका है। देश में अवैध रूप से रहने के कारण अमेरिका से निर्वासित किए गए 112 भारतीयों के तीसरे जत्थे को लेकर संयुक्त राज्य अमेरिका का एक विमान अमृतसर में उतरा। 7 अमेरिकी वायुसेना का सी–17 ग्लोबमास्टर विमान रात करीब 10 बजे अमृतसर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। अवैध अप्रवासियों पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन की कार्रवाई के तहत पिछले 10 दिनों में यह तीसरा ऐसा आगमन है। 112 निर्वासित लोगों में से 44 हरियाणा से, 33 गुजरात से, 31 पंजाब से, दो उत्तर प्रदेश से, और एक–एक उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश से हैं। अमेरिका से ऐसा ही विमान अन्य देशों के लिए भी उड़ान भर रहा है और अवैध प्रवासियों को जहां से वो आते हैं वहां छोड़ कर आ रहा है। अमेरिका से लौटे नागरिकों को लेकर भारत में भी माहौल गरम है। उन्हें भेजे जाने के तरीके पर सवाल उठाए जा रहे हैं। वहीं अप्रवासियों की शिनाख्त करने के बाद उन्हें उनके घर भी छोड़ा जा रहा है। इन सारी कवायदों के बीच एक देश ऐसा है जिसने बड़ा ऐलान करते हुए सभी को चौंका दिया है। कोस्टा रिका के राष्ट्रपति ने घोषणा की है कि वो भारतीयों सहित अमेरिका से निर्वासित प्रवासियों को अपने यहां शरण देने के लिए तैयार है। अब इसको लेकर विदेश मंत्रालय से भी सवाल पूछे जा रहे हैं कि क्या निर्वासित लोगों को कोस्टा रिका भी भेजा जा सकता है? आपको बता दें कि कोस्टा रिका भारतीय समुदाय के लोगों के बीच ट्रैवल के लिए काफी पसंद किया जाता है। इस देश में 1 भारतीय रुपए की कीमत 8.65 ब्वसवद हो जाती है।

पहले ही स्टाफ की कमी से जूझ रहे एफएए में छंटनी, ईमेल भेजकर लोगों को नौकरी से निकाला

वॉशिंगटन। ट्रंप प्रशासन ने संघीय नागरिक उड्डयन प्रशासन (FAA-Federal Aviation Administration) में छंटनी शुरू कर दी है। शुक्रवार रात को ईमेल भेजकर सैंकड़ों कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया गया। गौरतलब है कि यह छंटनी ऐसे वक्त हुई है, जब एफएए पहले से ही स्टाफ की कमी से जूझ रहा है और बीते दिनों ही वॉशिंगटन डीसी में हुए विमान हादसे की जांच अभी भी चल रही है।

पहले ही स्टाफ की कमी से जूझ रहा एफएए

जिन कर्मचारियों को नौकरी से निकाला गया है, उनमें रडार, लैंडिंग और नेविगेशन सहायता और रखरखाव से जुड़े कर्मचारी शामिल हैं। हालांकि महत्वपूर्ण सुरक्षा कार्य करने वाले कर्मचारियों को बनाए रखा गया है। नेशनल एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स एसोसिएशन ने

सोमवार को एक बयान में कहा कि वे छंटनी के प्रभाव का विश्लेषण कर रहे हैं। वर्गीकृत प्रारंभिक चेतावनी रडार प्रणाली पर काम कर रहे कर्मचारियों को भी नौकरी से निकाल दिया गया है। ये एफएए के राष्ट्रीय रक्षा कार्यक्रम से जुड़े थे। एफएए पहले ही कंट्रोलर्स की कमी से जूझ रहा है और जो कर्मचारी हैं, वे कथित तौर पर काम के भारी दबाव से जूझ रहे हैं। अमेरिकी हवाई अड्डों पर विमानों के बीच कई बार दुर्घटनाएं हो चुकी हैं और इसकी एक वजह कंट्रोलर्स की कमी को भी बताया जा रहा है।

टेस्ला और मस्क के खिलाफ पोस्ट पर नौकरी जाने का दावा

बीती 29 जनवरी को वॉशिंगटन में हुई विमान और सैन्य हेलीकॉप्टर दुर्घटना में भी जांच में पता चला है कि दोनों विमानों के यातायात को एक ही कंट्रोलर द्वारा नियंत्रित किया जा रहा था। ट्रंप पहले ही विमानन सुरक्षा सलाहकार समिति के भी सभी सदस्यों को नौकरी से निकाल चुके हैं। नौकरी से निकाले गए एक अधिकारी ने बताया कि उसने बीते दिनों टेस्ला और मस्क के खिलाफ सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। अधिकारी का दावा है कि इस वजह से उसे नौकरी से निकाला गया।

इस्राइल–हिजबुल्ला युद्धविराम के बाद लेबनान में लोगों का घर लौटना शुरू, इस मुद्दे पर अभी भी तनाव

बेरूत। इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच हुए युद्धविराम समझौते के बाद मंगलवार को दक्षिणी लेबनान में लोगों ने अपने–अपने घर लौटना शुरू कर दिया। दक्षिणी लेबनान का इलाका हिजबुल्ला का गढ़ माना जाता है। नवंबर में इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच युद्धविराम समझौता हुआ था, लेकिन हाल तक भी दक्षिणी लेबनान में इस्राइली सैनिक तैनात थे। अब इस्राइली सैनिकों की वापसी के बाद लेबनान के सैनिक उनकी जगह तैनात हो गए हैं।

इस मुद्दे पर अभी भी है तनाव

लेबनान की सेना ने पहले इलाके की जांच की और फिर सड़कों पर इस्राइली सैनिकों द्वारा लगाए गए अवरोधों को हटाया। हालांकि खबर लिखे जाने तक लोगों को अपने–अपने घर जाने

की इजाजत नहीं दी गई थी क्योंकि लेबनान की सेना इलाके में विस्फोटकों की जांच कर रही थी। इस्राइली सेना ने भी ड्रोन के जरिए हालात पर निगरानी रखी। इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच भले ही युद्धविराम हो गया है, लेकिन अभी भी एक मुद्दे को लेकर दोनों पक्षों में तनाव है। दरअसल इस्राइली सेना ने पांच रणनीतिक तौर पर अहम पोस्ट खाली नहीं किए हैं। इस्राइल का कहना है कि वे इन पोस्ट से निगरानी जारी रखेंगे ताकि हिजबुल्ला आगे इस्राइल पर हमले न कर सके।

इस्राइल हिजबुल्ला की लड़ाई में चार हजार से ज्यादा लोग मारे गए

वहीं हिजबुल्ला द्वारा इसका विरोध किया जा रहा है और उनकी मांग है कि इस्राइली सेना पूरी तरह से लेबनान से हट जाए। इस्राइल के रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने बताया कि इस्राइली सेना बफर जोन में पांच रणनीतिक ठिकानों पर कब्जा कायम रखेगी। साथ ही अपनी सीमा में भी सुरक्षा चौकसी को बेहतर किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि हमास के इस्राइल पर हमले के बाद हिजबुल्ला ने भी हमास के समर्थन में इस्राइल पर हमले शुरू कर दिए थे। इसके बाद बीते साल अक्तूबर में इस्राइल ने हिजबुल्ला के खिलाफ पूर्ण युद्ध की शुरुआत कर दी। इस्राइल के हमलों में हिजबुल्ला का पूरा शीर्ष नेतृत्व खत्म हो चुका है। इस्राइल और हिजबुल्ला की लड़ाई में 4 हजार से ज्यादा लोग मारे गए और 10 लाख से ज्यादा लोग विस्थापित हुए।

'हम चमगादड़ की तरह उल्टे लटके हुए थे', विमान में सवार लोगों ने बताई आपबीती

टोरंटो। डेल्टा एयरलाइंस का एक विमान कनाडा के टोरंटो हवाई अड्डे पर हादसे का शिकार हो गया था। अब इस विमान हादसे की तस्वीरें और वीडियो सामने आई हैं, जिससे हादसे की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है। दरअसल विमान लैंडिंग के वक्त अनियंत्रित होकर पलट गया। गनीमत रही कि इतना बड़ा हादसा होने के बावजूद सभी यात्री और क्रू सदस्य सुरक्षित हैं। हादसे की कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। एक वीडियो में दिख रहा है कि एक महिला यात्री सीट लैंडिंग के बाद सीट पर उल्टी लटकी हुई है। दरअसल सीट बेल्ट बंधे होने की वजह से वह विमान के पलटने पर गिर नहीं पाई, लेकिन विमान के पलटने की वजह से उल्टा लटक गई। महिला ने हादसे में जिंदा बचने पर खुशी भी जताई और भगवान का शुक्रिया अदा किया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।